मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 212
रविवार, 15 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कांग्रेस द्वारा उपेक्षित पूर्वोत्तर हमारी प्राथमिकता है और हम इसके विकास के लिए समर्पित हैं: पीएम मोदी

असम, 14 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर अपने शासनकाल में पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार इस क्षेत्र को अष्टलक्ष्मी मानती है। एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार असम में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद में केंद्रीय बजट पेश होने के बाद यह असम की उनकी पहली यात्रा है।

मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले केंद्रीय बजट पेश हुआ। बजट के बाद पूर्वोत्तर की यह मेरी पहली यात्रा है। कांग्रेस द्वारा उपेक्षित पूर्वोत्तर हमारी प्राथमिकता है और हम इसके विकास के लिए समर्पित हैं। हमारे लिए पूर्वोत्तर हमारी अष्टलक्ष्मी है। हमने पूर्वोत्तर को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस तो भारत को एक राष्ट्र मानने से भी इनकार करती है। जो लोग भारत माता के प्रति जरा सा भी सम्मान नहीं दिखाते, वे कभी भी देश के कल्याण के लिए काम नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जब भी पूर्वोत्तर का जिक्र होता था, लोगों को खराब बुनियादी ढांचे की याद आती थी। और आज यहां ऐसे राजमार्ग बन रहे हैं जहां न केवल वाहन चल सकते हैं, बल्कि विमान भी उतर सकते हैं। यह गर्व का क्षण है। यह असम की बदलती भावना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान भाजपा

कार्यकर्ता होना है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा ने जो भी ऊंचाइयां हासिल की हैं, उसका श्रेय हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। हमारा विश्वास संगठन में है। इसीलिए इतने सारे कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हम एक मंत्र से एकजुट हैं, और वह मंत्र है: भारत माता की जय।

मोदी ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान यह है कि नरेंद्र मोदी भाजपा के कार्यकर्ता हैं। भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, मैं असम में हमारे कार्यकर्ताओं और संगठन की शक्ति को नमन करता हूं और उन्हें प्रणाम करता हूं। मैं मां आदि शक्ति और मां कामाख्या को भी अनगिनत प्रणाम करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने पुलवामा आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज पुलवामा हमले की बरसी है। मैं भारत माता के उन वीर सपूतों को नमन करता हूं जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों को जिस तरह से दंडित किया, वह पूरी दुनिया ने देखा। कुछ लोग आज भी कांप रहे हैं। आपने ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ताकत देखी है। असम में इस साल के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे।

राहुल गांधी को अर्थशास्त्र की कोई समझ नहीं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 14 फरवरी। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सियासत जारी है। विपक्ष केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार इस समझौते को लेकर सवाल खड़े कर रहे है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों की समझ पर सवाल उठाते हुए उनकी आलोचना की। एक सभा को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने मौजूदा व्यापार ढांचे का बचाव किया और दावा किया कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता और मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज तक मुझे समझ नहीं आता कि राहुल गांधी जैसे मूर्ख व्यक्ति को विपक्ष का नेता कैसे नियुक्त कर दिया गया। कांग्रेस पार्टी यह समझने में असमर्थ है कि अर्थशास्त्र की कोई समझ न रखने वाला, झूठ, छल और ट्वीट के सिवा कुछ न देने वाला व्यक्ति सच्चाई से हजारों मील दूर है।

पीयूष गोयल ने आगे कहा कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और इसकी मांग भी बढ़ेगी। आयात, प्रसंस्करण और फिर निर्यात की यह नीति सदियों से विदेश व्यापार नीति का हिस्सा रही है; यह कोई नई बात नहीं है।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस के समय से चली आ रही एसईजेड नीति के तहत आप कुछ भी आयात कर सकते हैं। अगर आप उसका प्रसंस्करण यहां करके निर्यात करते हैं, तो शुल्क शून्य हो जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं है; बल्कि इससे लोगों को रोजगार मिलेगा, किसानों के बच्चों को रोजगार मिलेगा और किसानों को अपार अवसर मिलेंगे। इससे पहले, शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते में टैरिफ प्रावधानों को लेकर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत के कपास किसानों और कपड़ा निर्यातकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

गांधी ने कहा कि जहां अमेरिका में भारतीय कपड़ों पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगता है, वहीं बांग्लादेश को अमेरिकी कपास आयात करने की शर्त पर कपड़ों के निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का लाभ दिया जा रहा है। नीतिगत ढांचे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कपास का आयात घरेलू किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, जबकि इसका आयात न करने से कपड़ा उद्योग को नुकसान होगा। उन्होंने आगे दावा किया कि बांग्लादेश भारत से कपास आयात में संभावित कमी या रोक के संकेत दे रहा है, जिससे भारतीय उत्पादकों की स्थिति और खराब हो सकती है।

'कानपुर को 'बदनामपुर' बना दिया', अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला

कानपुर, 14 फरवरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कानपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं ने उत्तर प्रदेश के कभी सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र रहे कानपुर की पहचान को पूरी तरह धूमिल कर दिया है।

अखिलेश यादव नेभाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने कानपुर को बर्बाद कर दिया और कभी फलते-फूलते औद्योगिक केंद्र को बदनामपुर बना दिया। यादव ने यहां सिविल लाइंस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने कानपुर को बदनामपुर

बना दिया है। शहर का नाम आज कार पलटने, पुलिस-वकील के झगड़े और फर्जी मुठभेड़ों की वजह से सुर्खियों में है।

उन्होंने कहा कि कानपुर शहर जो कभी अपनी कपड़ा मिलों और अन्य चीजों के निर्माण के केंद्र के लिए मशहूर था, वह अब सड़क हादसों, झगड़ों और प्रशासनिक कमियों से जुड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक लाल इमली कपड़ा मिल के बंद होने और गंगा में सीवर का पानी जाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कानपुर की विरासत को कमजोर किया गया है।

यादव ने सपा के सत्ता में वापस आने पर बदलाव का वादा करते हुए कहा कि उनकी सरकार कानपुर में लखनऊ से भी बेहतर रिवरफ्रंट बनाएगी, लाल इमली मिल को फिर से चालू करेगी और बड़े औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर माहौल बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमें बोलने भी नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के योगी होने के दावों पर सवाल उठाया और कहा कि एक सच्चा योगी गुस्से या ताकत से काम नहीं लेता। यादव ने कहा, एक योगी हिंसा को बढ़ावा नहीं दे सकता या कुर्सी से चिपका नहीं रह सकता।

चीन बॉर्डर के पास भारत की नई हवाई ताकत, ड्रैगन की हर चाल होगी फेल

नई दिल्ली, 14 फरवरी। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा से 300 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित असम में भारत ने एक राजमार्ग के हिस्से को लड़ाकू विमानों के लिए संभावित हवाई अड्डे में परिवर्तित कर दिया है, जिससे संवेदनशील सीमा पर उसकी परिचालन क्षमता मजबूत हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के डिब्रूगढ़-मोरान खंड पर नवनिर्मित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को किया। सी-130जे विमान ने मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग के 4.2 किलोमीटर लंबे विशेष रूप से मजबूत किए गए खंड पर लैंडिंग की, जिसका निर्माण सैन्य और नागरिक दोनों विमानों को आपातकालीन स्थितियों में उतरने और उड़ान भरने में सक्षम बनाने के लिए किया गया है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के ठिकानों के मुकाबले भारतीय

वायु सेना के कई ठिकाने हैं। राफेल स्क्वाड्रन का दूसरा दस्ता बंगाल के उत्तर और भूटान के दक्षिण में स्थित हाशिमारा में तैनात है। इस क्षेत्र के दक्षिण-पूर्व में भारत विशेष रूप से असुरक्षित है। यही कारण है कि डोकलाम संकट के दौरान, भारत ने यह तैयारी कर रखी थी कि यदि चीन निकट आने का कोई प्रयास करता है, तो वे इस क्षेत्र को अवरुद्ध करने का प्रयास करेंगे। अन्य ठिकाने तेजपुर, जोरहाट और चाबुआ में हैं।

चीन की ओर कम से कम सात हवाई अड्डे हैं। युद्ध की स्थिति में, भारत के हवाई अड्डे लक्ष्य बन सकते हैं, इसलिए भारत को वैकल्पिक सुविधाओं की आवश्यकता है जहां लड़ाकू विमानों को तैनात किया जा सके। खड़े लड़ाकू विमान जमीन पर हमले के प्रति अत्यंत असुरक्षित होते हैं। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत द्वारा अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत करने और क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को विकसित करने के प्रयासों को दर्शाता है। चीन सीमा के अपने हिस्से में सक्रिय रूप से बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है, जिससे उन्हें अपनी सेनाओं को तेजी से जुटाने में मदद मिलती है। यह एक ऐसी चुनौती है जिसे भारतीय सरकार पूर्वोत्तर में अपने स्वयं के बुनियादी ढांचे का विकास करके दूर करने का प्रयास कर रही है।

इस सुविधा को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि यदि परिचालन या आपातकालीन परिस्थितियों के कारण डिब्रूगढ़ हवाई अड्डा या चाबुआ वायुसेना स्टेशन अनुपलब्ध हो जाता है तो यह एक वैकल्पिक लैंडिंग विकल्प के रूप में कार्य कर सके। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए, यह संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट आकस्मिक स्थितियों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने में अधिक लचीलापन प्रदान करता है। स्थायी हवाई अड्डों के विपरीत, जिन्हें संघर्ष की स्थिति में निशाना बनाया जा सकता है या अनुपयोगी बनाया जा सकता है, राजमार्ग आधारित लैंडिंग स्ट्रिप्स अतिरिक्त सुरक्षा और परिचालन में स्थिरता प्रदान करती हैं।

विशेष रूप से, इस खंड पर कोई केंद्रीय विभाजक नहीं है, जिससे विमानों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित होती है। दोनों ओर बाड़ लगाई गई है और परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़क किनारे की अस्थायी संरचनाओं को हटा दिया गया है। ईएलएफ का विकास पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करने के लिए भारतीय सरकार के प्रयासों का प्रतीक भी है। पूर्वोत्तर चारों ओर से भू-आबद्ध है और देश के शेष भाग से केवल सिलीगुड़ी कॉरिडोर (जिसे रचिकन नेकश कहा जाता है) के माध्यम से जुड़ा हुआ है, जो अपने सबसे संकरे बिंदु पर केवल 20-25 किलोमीटर चौड़ा है।

दिल्ली में दिनदहाड़े गैंगवार, गोगी गैंग के साहिल की गोली मारकर हत्या

दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में दिनदहाड़े गोलीबारी की बड़ी वारदात सामने आई है। रोहिणी सेक्टर-17 में बदमाशों ने एक युवक को सरेआम गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

मृतक की पहचान साहिल के रूप में हुई है। पुलिस की शुरूआती जांच में यह मामला गैंगवार से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने साहिल पर कई राउंड फायरिंग की। गोली सीधे उसे लगी, जो जानलेवा साबित हुई और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस को शक है कि इस हमले के पीछे टिल्लू ताजपुरिया गैंग का हाथ हो सकता है। वहीं, साहिल का नाम गोगी गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि दोनों गैंग के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी, जिसके चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि साहिल कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। जेल से रिहा होने के बाद वह फिर से अपने इलाके में सक्रिय हुआ था। इसी बीच उस पर हमला कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

5 दिन से लापता टीएमसी नेता का नहर में मिला शव

परगना, 14 फरवरी। उत्तर 24 परगना के बदुरिया इलाके में कई नहरों से तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के शव के टुकड़े बरामद किए गए हैं, जो पांच दिनों से लापता था। कार्यकर्ता की पहचान नसीर अली के रूप में हुई है। वह सोमवार को एक फोन कॉल आने के बाद घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। हत्या के पीछे का मकसद

अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन स्थानीय पुलिस को संदेह है कि उसकी पत्नी का किसी और के साथ अवैध संबंध था, जिसके परिणामस्वरूप अली की हत्या कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, अली के लापता होने के अगले दिन उसकी मोटरसाइकिल एक नहर में मिली। इस घटना से जनता में आक्रोश फैल गया और लापता व्यक्ति के मामले में पुलिस की कथित निष्क्रियता के विरोध में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

सूचना

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर दिनांक 15-2-2026 को उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यलय बंद रहेगा अगला अंक दिनांक 17-2-2026 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

-ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग

अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की ह्लनई गंगाह्व तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति फिर घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका हुआ समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है। भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

यूपी के दिग्गज नोएडा में दिखाएंगे अपनी ताकत

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव 2027 का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सियासी हलचल तेज होती जा रही है। इस बार चुनावी रणनीतियों का केंद्र अचानक वही जिला बन गया है, जिसे लंबे समय तक सत्ता के लिहाज से ह्यअशुभह्व माना जाता रहा। बात हो रही है गौतमबुद्ध नगर यानी नोएडा की। दिल्ली से सटे इस जिले ने अब प्रदेश की राजनीति में वह हैसियत बना ली है, जहां से उठने वाली लहर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तकरीबन 100 विधानसभा सीटों को प्रभावित करने की ताकत रखती है। यही वजह है कि भाजपा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी तीनों ने अपने-अपने मिशन-2027 की शुरूआत यहीं से करने का फैसला किया है।गौतमबुद्ध नगर को आज उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाने लगा है। जिले में आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बीते पांच वर्षों में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बस रही यमुना सिटी, प्रस्तावित फिल्म सिटी और अंतरराष्ट्रीय स्तर का जेवर एयरपोर्ट इस जिले को राज्य की विकास गाथा का पोस्टर बॉय बना चुके हैं। राजनीति में विकास अक्सर सबसे बड़ा हथियार होता है और सत्तारूढ़ दल इस हथियार को पूरी धार के साथ मैदान में उतारने की तैयारी कर चुका है।

भारतीय जनता पार्टी इस बार विकास के ठोस आंकड़ों और बड़ी परियोजनाओं को अपने चुनावी अभियान की रीढ़ बना रही है। 21 फरवरी को यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टर-28 में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहेंगे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जनसभा को संबोधित करेंगे। करीब 48 एकड़ में लगने वाली इस यूनिट में एचसीएल और फॉक्सकॉन जैसी दिग्गज कंपनियां निवेश कर रही हैं। शुरूआती चरण में ही इससे 4,000 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। भाजपा नेताओं का दावा है कि सेमीकंडक्टर यूनिट केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाला कदम है। पार्टी का आकलन है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा पहले ही आईटी हब के रूप में पहचान बना चुके हैं और अब चिप मैन्युफैक्चरिंग के साथ यह इलाका वैश्विक मैप पर और मजबूती से उभरेगा। इसके तुरंत बाद जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारी है। लगभग 1,334 हेक्टेयर में फैले इस एयरपोर्ट की पहली फेज क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की है, जिसे अगले चरणों में 7 करोड़ तक ले जाने की योजना है। भाजपा इसे पश्चिमी यूपी के विकास का गेमचेंजर मान रही है।

दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने इस बार पुराने अंधविश्वासों को पीछे छोड़ते हुए नोएडा को ही अपनी सियासी प्रयोगशाला बनाया है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव 29 मार्च को दादरी के मिहिर भोज डिग्री कॉलेज से अपने चुनावी अभियान की शुरूआत करने जा रहे हैं। इसे ह्यसमाजवादी समानता भाईचारा रैलीह्व और ह्यपीडीए भागीदारी यात्राह्व का नाम दिया गया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में पार्टी के प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग का गठजोड़ अगर जमीन पर उतर आया तो भाजपा के लिए राह आसान नहीं रहेगी।सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि गौतमबुद्ध नगर की सामाजिक संरचना पीडीए फॉर्मूले के लिए अनुकूल है। जिले की करीब 35 प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्गों से आती है, जबकि दलित और अल्पसंख्यक मिलकर लगभग 30 प्रतिशत मतदाता हैं। इसके अलावा गुर्जर, जाट और त्यागी जैसी प्रभावशाली जातियों की मौजूदगी यहां की राजनीति को और दिलचस्प बना देती है। अखिलेश यादव को भरोसा है कि जिस तरह 2012 में उन्होंने यहीं से साइकिल यात्रा शुरू कर पूर्ण बहुमत हासिल किया था, उसी तरह 2027 में भी नोएडा से उठी लहर लखनऊ तक पहुंचेगी।

बहुजन समाज पार्टी भी इस जिले को हल्के में लेने के मूड में नहीं है। यह जिला बसपा सुप्रीमो मायावती का गृह जनपद है और पार्टी इसे अपनी राजनीतिक शो विंडो मानती है। 15 मार्च को मान्यवर कांशीराम की जयंती पर नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी है। पार्टी नेताओं का दावा है कि मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़ और आगरा मंडल से लाखों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में जुटेंगे। बसपा का फोकस साफ है अपने कोर दलित वोट बैंक को फिर से एकजुट करना और यह संदेश देना कि सत्ता की दौड़ में वह अभी भी मजबूत खिलाड़ी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गौतमबुद्ध नगर की अहमियत सिर्फ यहां की तीन विधानसभा सीटों तक सीमित नहीं है। नोएडा का राजनीतिक संदेश पूरे दिल्ली-एनसीआर में गूंजता है। यहां होने वाली रैलियां, घोषणाएं और विकास परियोजनाएं मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए पश्चिमी यूपी के हर जिले तक पहुंचती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस जिले में क्लीन स्वीप किया था, लेकिन इस बार मुकाबला कहीं ज्यादा त्रिकोणीय और कड़ा नजर आ रहा है।

जिले में तेजी से बढ़ती शहरी आबादी, प्रवासी मतदाताओं की संख्या और रोजगार से जुड़े मुद्दे इस बार चुनावी बहस के केंद्र में रहेंगे। नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस सालों में यहां की आबादी में करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें बड़ी संख्या युवाओं और मध्यम वर्ग के पेशेवरों की है, जिनकी प्राथमिकताएं पारंपरिक जातीय राजनीति से अलग विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी हैं।यही कारण है कि 2027 की चुनावी जंग में नोएडा केवल एक जिला नहीं, बल्कि सत्ता की प्रयोगशाला बन चुका है। यहां जो प्रयोग सफल होगा, वही मॉडल पूरे प्रदेश में दोहराया जाएगा। भाजपा विकास की रफ्तार और बड़ी परियोजनाओं के सहारे मैदान में है, सपा सामाजिक गठजोड़ और नए संदेश के साथ वापसी की कोशिश में है, जबकि बसपा अपने पुराने आधार को फिर से मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले एक महीने में होने वाली रैलियां और कार्यक्रम यह तय करेंगे कि 2027 के चुनावी ऊंट की करवट किस ओर बैठेगी, लेकिन इतना तय है कि इस बार सत्ता की राह नोएडा होकर ही गुजरेगी।

यांत्रिक पाश्चात्य संस्कृति और भारत का संस्कृतिक, सनातनी उद्घोष

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं' विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

भगवान शिव की विराट दिव्यता का महापर्व महाशिवरात्रि

देवों के देव भगवान भोलेनाथ के भक्तों के लिये श्री महाशिवरात्रि का व्रत विशेष महत्व रखता है। यह पर्व फाल्गुन कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन का व्रत रखने से भगवान भोले नाथ शीघ्र प्रसन्न हों, उपासक की मनोकामना पूरी करते हैं। इस व्रत को सभी स्त्री-पुरुष, बच्चे, युवा, वृद्धों के द्वारा किया जा सकता हैं। महाशिवरात्रि के विषय में मान्यता है कि इस दिन भगवान भोलेनाथ का अंश प्रत्येक शिवलिंग में पूरे दिन और रात मौजूद रहता है। इस दिन शिव जी की उपासना और पूजा करने से शिव जी जल्दी प्रसन्न होते हैं। वर्ष में 365 दिन होते हैं और लगभग इतनी ही रात्रियों भी। इनमें से कुछ चुनिंदा रात्रियां ऐसी होती हैं जिनका विशेष महत्व होता है। उन चुनिंदा रात्रियों में से महाशिवरात्रि ऐसी रात्रि है जिसका महत्व सबसे अधिक है।

धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखकर शिवपूजन, शिव कथा, शिव स्तोत्रों का पाठ व ॐ नमः शिवाय का पाठ करते हुए रात्रि जागरण करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल प्राप्त होता हैं। व्रत के दूसरे दिन ब्राह्मणों को यथाशक्ति वस्त्र सहित भोजन, दक्षिणादि प्रदान करके संतुष्ट किया जाता हैं।

इस दिन व्रती को फल, पुष्प, चंदन, बिल्वपत्र, धतूरा, धूप, दीप और नैवेद्य से चारों प्रहर की पूजा करनी चाहिए। दूध, दही, घी, शहद और शकर से अलग-अलग तथा सबको एक साथ मिलाकर पंचामृत से शिव को स्नान कराकर जल से अभिषेक करें। चारों प्रहर के पूजन में शिव पंचाक्षर (ओम् नमः शिवाय) मंत्र का जप करें। भव, शर्व, रुद्र, पशुपति, उग्र, महान, भीम और ईशान, इन आठ नामों से पुष्प अर्पित कर भगवान की आरती और परिक्रमा करें।

प्रत्येक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मास शिवरात्रि कहा जाता है। इन शिवरात्रियों में सबसे प्रमुख है फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी जिसे महाशिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात में देवी पार्वती और भगवान भोलेनाथ का विवाह हुआ था इसलिए यह शिवरात्रि वर्ष भर की शिवरात्रियों से उत्तम है।

महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। इसे हर साल फाल्गुन माह में 13वीं रात या 14वें दिन मनाया जाता है। इस त्योहार में श्रद्धालु पूरी रात जागकर भगवान शिव की आराधना में भजन गाते हैं। कुछ लोग पूरे दिन और रात उपवास भी करते हैं। शिवलिंग को जल और बेलपत्र चढ़ाने के बाद ही वे अपना उपवास तोड़ते हैं।

शिवजी स्वयं कहते हैं कि 'मैं बड़े-बड़े तपों से, बड़े-बड़े यज्ञों से, बड़े-बड़े दानों से, बड़े-बड़े व्रतों से इतना संतुष्ट नहीं होता हूँ जितना शिवरात्रि के दिन उपवास करने से होता हूँ।' इस रात्रि से शंकर जी का विशेष स्नेह होने का एक कारण यह भी माना जाता है कि भगवान शंकर संहारकर्ता होने के कारण तमोगुण के अधिष्ठाता यानी स्वामी हैं। रात्रि जीवों की चेतना को छीन लेती है और जीव निद्रा देवी की गोद में सोने चला जा जाता है इसलिए रात को तमोगुणमयी कहा गया है। यही कारण है कि तमोगुण के स्वामी देवता भगवान शंकर की पूजा रात्रि में विशेष फलदायी मानी जाती है।

इस पर्व के बारे में ऐसा भी माना जाता है कि सृष्टि के प्रारंभ में इसी दिन मध्यरात्रि को भगवान शंकर का रौद्र रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की बेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्माण्ड को अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भस्म कर देते हैं। इसलिए इसे महाशिवरात्रि अथवा कालरात्रि कहा जाता है। शिव अमंगल रूप होने पर भी भक्तों का मंगल करते हैं और श्री संपत्ति प्रदान करते हैं। शिवरात्रि को शिव की पूजा करने के लिए शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है।

भगवान शिव का निवास स्थान कैलाश पर्वत माना जाता है, लेकिन

शिव समस्त जगत में विचरण करते रहते हैं। अगर वे कैलाश पर्वत पर विचरण करते हैं, तो श्मशान में भी धूनी रमाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि शिवरात्रि को शिव संपूर्ण जगत में विचरण करते हैं।

शिवरात्रि के दिन शिव का दर्शन करने से हजारों जन्मों का पाप मिट जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह महाशिवरात्रि के पर्व का महत्व ही है कि सभी आयु वर्ग के लोग इस पर्व में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। इस दिन शिवभक्त काँवड़ में गंगाजी का जल भरकर शिवजी को जल चढ़ाते हैं और उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन कुंवारी कन्याएँ अच्छे वर के लिए शिव जी की पूजा करती हैं। शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है। वे ऐसे देवता हैं जो विष स्वयं ग्रहण कर लेते हैं और अमृत दूसरों के लिए छोड़ देते हैं। इसलिए शिव जगत के उद्धारक हैं। इस तरह शास्त्र और पुराण कहते हैं कि महाशिवरात्रि की इस रात का सृष्टि में बड़ा महत्व है। शिवरात्रि को रात का विशेष महत्व होने की वजह से ही शिवालयों में रात के समय शिव जी की विशेष पूजा अर्चना होती है।

वास्तव में महाशिवरात्रि का पर्व स्वयं परमपिता परमात्मा के सृष्टि पर अवतरित होने की याद दिलाता है। महाशिवरात्रि के दिन व्रत धारण करने से सभी पापों का नाश होता है और मनुष्य की हिंसक प्रवृत्ति भी नियंत्रित होती है। निरीह लोगों के प्रति दयाभाव उपजता है। ईशान संहिता में इसकी महत्ता का उल्लेख इस प्रकार है-

शिवरात्रि व्रतं नाम सर्वपापं प्रणाशन

चाण्डाल मनुष्याणं भुक्ति मुक्ति प्रदायक

कृष्ण चतुर्दशी के दिन इस पर्व का महत्व इसलिए अधिक फलदायी हो जाता है क्योंकि चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव हैं। ज्योतिष की दृष्टि से भी महाशिवरात्रि की रात्रि का बड़ा महत्व है। भगवान शिव के सिर पर चन्द्रमा विराजमान रहता है। चन्द्रमा को मन का कारक कहा गया है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की रात में चन्द्रमा की शक्ति लगभग पूरी तरह क्षीण हो जाती है। जिससे तामसिक शक्तियां व्यक्ति के मन पर अधिकार करने लगती हैं जिससे पाप प्रभाव बढ़ जाता है। भगवान शंकर की पूजा से मानसिक बल प्राप्त होता है जिससे आसुरी और तामसिक शक्तियों के प्रभाव से बचाव होता है। शिवरात्रि को 'अहोरात्रि' भी कहते हैं। महिलाओं के लिए शिवरात्रि का विशेष महत्व है। अविवाहित महिलाएं भगवान शिव से प्रार्थना करती हैं कि उन्हें उनके जैसा ही पति मिले। वहीं विवाहित महिलाएं अपने पति और परिवार के लिए मंगल कामना करती हैं। यह भगवान शिव की विराट दिव्यता का महापर्व है।

शिवरात्रि के साथ कई पौराणिक कथाएं जुड़ी हुई हैं। शिवरात्रि के महत्व को जानने के लिए हमें इन पौराणिक कथाओं को जानना होगा। एक मान्यता यह भी है कि फाल्गुन माह का 14वां दिन भगवान शिव का प्रिय दिन है। इसलिए महाशिवरात्रि को इसी दिन मनाया जाता है।समुद्र मंथन की पौराणिक कथा- सभी पौराणिक कथाओं में नीलकंठ शिव की कहानी सबसे ज्यादा चर्चित है। ऐसी मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान कालकेतु विष निकला था। भगवान शिव ने संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा के लिए स्वयं ही सारा विष पी लिया था। इससे उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। महिलाओं के लिए महत्व- ऐसा माना जाता है जब कोई महिला भगवान शिव से प्रार्थना करती है तो भगवान शिव उनकी प्रार्थना को आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। भगवान शिव को पूजा में किसी विशेष सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती है। सिर्फ पानी और बेलपत्र के जरिए भी श्रद्धालु भगवान शिव को प्रसन्न कर सकते हैं।

शिव के संग गौरी की भी हो पूजा

धार्मिक मान्यतानुसार भगवान शंकर इस दिन संपूर्ण शिवलिंगों में प्रवेश करते हैं। शिव मनुष्य जीवन में सुख संपत्ति, ऋद्धि-सिद्धि, बल-वैभव, स्वास्थ्य, निरोगता, दीर्घायु, लौकिक-पारलौकिक सभी शुभ फलों के दाता हैं। शक्ति का हर रूप शिव के साथ ही निहित है। इसलिए महाशिवरात्रि पर शिव और शक्ति की संयुक्त रूप से आराधना करनी चाहिए। शिवरात्रि को आसुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त करने के लिए शिव और शक्ति का योग भी कहा गया है।

सुहागिनों के भी आराध्य हैं शिव

महाशिवरात्रि का पावन दिन सभी कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और विवाहित महिलाओं को अखंड सुहाग का वरदान दिलाने वाला सुअवसर प्रदान करता है। अगर विवाह में कोई बाधा आ रही हो, तो भगवान शिव और जगत जननी के विवाह दिवस यानी महाशिवरात्रि पर इनकी पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। शिवरात्रि के दिन मंत्र जाप से भोले भंडारी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है। शिवरात्रि के दिन रुद्राक्ष की माला से जप करना चाहिए। जाप पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। जप के पूर्व शिवजी को बिल्वपत्र अर्पित करना चाहिए। शिव को पंचामृत से अभिषेक कराते हुए मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए। भीड़भाड़ में या यदि मंदिर में नहीं गये तो ऐसे में घर पर ही ॐ नमः शिवाय जप करें। मानसिक यानि मन से की हुई पूजा षोडशोपचार की पूजा से दस गुना ज्यादा हितकारी और अधिक फलदायक होती है।

(अंजनी सक्सेना- विभूति फीचर्स)

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी मैजेस्टर का अनावरण किया

पटना। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी नई प्रीमियम एसयूवी एमजी मैजेस्टर का अनावरण किया। कंपनी के अनुसार यह भारत की पहली डी प्लस सेगमेंट एसयूवी है, जो आकार, ताकत और तकनीक के मामले में नए मानक स्थापित करती है। 5046 मिमी लंबाई, 2016 मिमी चौड़ाई और 1870 मिमी ऊंचाई के साथ यह अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी एसयूवी है। एमजी मैजेस्टर 2.0-लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन से लैस है, जो 215.5 पीएस की पावर और 478.5 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। इसमें 2डब्लूडी और एडवांस्ड 4डब्लूडी विकल्प के साथ 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया गया है। सेगमेंट में पहली बार ट्रिपल डिफरेंशियल लॉक (फ्रंट, रियर और सेंटर), 10 ऑफ-रोड मोड, क्रॉल कंट्रोल, 219 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस और 810 मिमी वाटर वेडिंग क्षमता इसे कठिन रास्तों के लिए सक्षम बनाती है।

मुलुंड मेट्रो स्लैब दुर्घटना के संबंध में महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज

मुंबई। एडवोकेट पंकज कुमार मिश्रा, उच्च न्यायालय, बॉम्बे द्वारा 14. फरवरी 2026 को घटित मुलुंड मेट्रो स्लैब दुर्घटना के संबंध में महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है तथा आयोग से सुओ मोटो संज्ञान लेने का निवेदन किया गया है। इस शिकायत में मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान हुई गंभीर लापरवाही, सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा प्रशासनिक विफलता को उजागर किया गया है, जिसके कारण एक निर्दोष नागरिक की मृत्यु हुई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ। एडवोकेट पंकज कुमार मिश्रा ने आयोग से स्वतंत्र एवं समयबद्ध जांच, दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के विरुद्ध जवाबदेही तय करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु अनिवार्य सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। साथ ही मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा तथा घायल व्यक्ति के संपूर्ण उपचार व्यय की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं 5 लाख रुपये का मुआवजा की भी प्रार्थना की गई है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन के अधिकार की रक्षा करना राज्य का सर्वोच्च दायित्व एवं विकास कार्यों के नाम पर नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा से समझौता के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई गई है।

– एडवोकेट पंकज कुमार मिश्रा

गौरीशंकर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि की धूम

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर (पश्चिम) के असलफा गांव में स्थित गौरीशंकर महादेव मंदिर में रविवार को होने वाले महाशिवरात्रि पर्व की शुरूआत कई दिन पहले से शुरू हो चुकी है। बता दे कि स्वर्गीय गौरीशंकर दुबे द्वारा स्थापित किए गए गौरीशंकर महादेव मंदिर में प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर्व बड़े जोरोशोरो व धूमधाम से मनाया जाता है इस वर्ष भी यह पर्व शुरू हो चुका है। गौरीशंकर महादेव मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी यह पर्व 5 दिन पहले से शुरू हो गया है। शनिवार को हल्दी कार्यक्रम के बाद रविवार को शिव अभिषेक में शिव भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर शिव अभिषेक करते हैं। शिवरात्रि के दूसरे दिन खिचड़ी साबूदाना का महाप्रसाद और शिव महा भंडारा का आयोजन किया जाता है इस दौरान पूरा परिसर शिवमय नजर आता है। आयोजन का संचालन कांग्रेसी नेता चंद्रेश दुबे और उनकी मित्र मंडली करती है। चंद्रेश दुबे ने सभी शिव भक्तों से निवेदन किया है कि वो इस पावन पर्व में उपस्थित रहकर शिव अभिषेक और महाभंडारा का लाभ प्राप्त करें।

घाटकोपर पूर्व के पंतनगर में भव्य चिकित्सा शिविर सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पूर्व स्थित नायडू कॉलोनी परिसर में मुफ्त चिकित्सा शिविर का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। घाटकोपर पूर्व के सेवाभावी विधायक पराग शाह के मार्गदर्शन में शुरू किए गए आराध्या रीडिंग सेंटर, ब्लड बैंक एवं थैलेसीमिया सेंटर, तथा डायलिसिस सेंटर ने अपने सफल दो वर्ष पूरे किए इसी उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कि पिछले दो वर्षों में इन सेवा परियोजनाओं ने क्षेत्र के नागरिकों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। आराध्या रीडिंग सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों को शांत एवं सुसज्जित अध्ययन कक्ष उपलब्ध हुआ है, जिससे अनेक छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं ब्लड बैंक और थैलेसीमिया सेंटर के जरिए जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है तथा आवश्यक चिकित्सीय सेवाएं दी जा रही हैं, जिससे कई परिवारों को बड़ी राहत मिली है। डायलिसिस सेंटर भी मरीजों के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम में विधायक पराग शाह स्वयं उपस्थित रहे और सेवाओं का लाभ लेने वाले नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जानें तथा परियोजना में कार्यरत डॉक्टरों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों से भी बातचीत कर उनके कार्य की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाजोपयोगी परियोजनाओं को निरंतर आगे बढ़ाना ही सच्ची जनसेवा है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त बनाने का उनका प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित रहकर इस पहल का स्वागत किया। दो वर्षों की सफल यात्रा के उपलक्ष्य में सभी संबंधितों का अभिनंदन किया गया तथा आगे के कार्य के लिए प्रेरित किया गया।

रामधनी यादव के परिवार को 50 लाख रुपए का मुवायजा दे सरकार : डॉ द्रिगेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड पर निमार्णाधीन मेट्रो 4 की कंक्रीट स्लैब गिरने से जौनपुर जनपद के मणियांहूं से समाजवादी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष तथा ग्राम सभा भरथानी के प्रधान रामधनी यादव की मौत हो गई। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने इस घटना पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि अपने रिश्तेदार के यहां शादी में आए रामधनी यादव की मृत्यु ठेकेदारों की लापरवाही और सुरक्षा की कमी के चलते हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विकास परिवार उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल स्वस्थ होने की प्रार्थना करता है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 5 लाख रुपए की मुवायजा राशि को बेहद कम बताते हुए उन्होंने कहा कि रामधनी यादव के परिवार को कम से कम 50 लाख रुपए का मुवायजा दिया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह की घटना का पुनरावर्तन रोकने की दिशा में सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए।

कल्याण में तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 2 करोड़ से अधिक का मादक पदार्थ जब्त

कल्याण **(उत्तरशक्ति)।** कल्याण पुलिस परिमंडल-3, के मार्गदर्शन में मादक पदार्थ विरोधी पथक ने मानपाड़ा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाइजीरियन नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से मेफेड्रोन (एमडी) और कोकीन समेत कुल 2 करोड़ से अधिक कीमत का मादक पदार्थ और अन्य सामान जब्त किया गया है।

पूरे मामले की जानकारी देते हुवे डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी, तभी गणेश नगर, उंबर्ली गांव, डोंबिवली पूर्व में सड़क किनारे तीन व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में दिखाई दिए। एक युवक पीले रंग की एक्टिवा पर बैठा था और उसके पास काले रंग का बैग था। वाहन की नंबर प्लेट मुड़ी हुई थी, जिससे नंबर स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। संदेह होने पर पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन तीनों भागने लगे। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाइजीरियन नागरिक के अलावा अविनाश व्यंकटेश सदरला (अंबरनाथ पश्चिम) और गजेंद्रन संजीव नायडु (अंबरनाथ पश्चिम) शामिल हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 1 किलो 4 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ 80 हजार रुपये बताई गई है, 15 ग्राम कोकीन (करीब 15 लाख रुपये), 21,500 रुपये नकद, 60 हजार रुपये मूल्य की एक्टिवा मोटरसाइकिल और एक काला बैग बरामद किया गया। कुल जब्त माल की कीमत 2.16 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त ठाणे आशुतोष डुंबरे, पुलिस सह आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त (पूर्व) संजय जाधव के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त परिमंडल-3 अतुल झेंडे के निर्देशन में की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

श्री गुरुतेग बहादुर साहिबजी की 350 वीं जयंती के अवसर पर भिवंडी मनपा स्कूलों में हिंद-दी-चादर कार्यक्रम का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। हिंद-दी-चादर के नाम से विख्यात श्री गुरु तेग बहादूर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के उपलक्ष्य में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की विभिन्न स्कूलों में जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों को विद्यार्थियों और शिक्षकों की ओर से उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। गुरु तेग बहादूर साहिबजी के त्याग, शौर्य, बलिदान और धर्मनिष्ठा का संदेश विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रभात फेरियां निकाली गईं। इन फेरियों के दौरान विद्यार्थियों को उनके जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों की जानकारी दी गई। साथ ही स्कूलों में गुरु तेग बहादूर साहिबजी के जीवन पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसिद्ध गायक सतींदर सरताज द्वारा गाया गया प्रेरणादायी गीत हिंद-दी-चादर विद्यार्थियों को दिखाया गया, जिससे उनमें देशभक्ति और मानवता के मूल्यों की भावना और अधिक प्रबल हुई। भिवंडी महानगरपालिका स्कूल क्रमांक 47 में प्रभात फेरी के माध्यम से घोषणाएं देकर जनजागरूकता की गई। इसके साथ ही निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और गुरु तेग बहादूर साहिबजी के जीवन व बलिदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आयोजकों ने बताया कि इन सभी उपक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी गुरु तेग बहादूर साहिबजी के मानवता की रक्षा हेतु दिए गए त्याग और बलिदान से परिचित कराना, साथ ही राष्ट्रीय एकता और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करना है।

छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले को डूब मरना चाहिए : भगत सिंह कोश्यारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले और अपमान करने की सोचने वाले को डूब कर मर जाना चाहिए । भगत सिंह कोश्यारी मुंबई में आयोजित वाग्धारा सम्मान समरोह में संबोधित करते हुए युवाओं को आव्हान किया कि उन्हें एआई के साथ भारत की आध्यात्मिक इंटेलिजेंस भी सीखनी चाहिए । इस समारोह में कोश्यारी ने वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव को वाग्धारा जीवन गौरव सम्मान प्रदान किया।

इस समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा लोकप्रिय उत्तर भारतीय नेता कृपाशंकर सिंह, वाग्धारा के अध्यक्ष वागीश सारस्वत, अरविंद डेगवेकर ,डॉ रीता कुमार, वाग्धारा की ओर से दुर्गेश्वरी सिंह,एडवोकेट भार्गव तिवारी और नीता वाजपेयी ने मुख्य अतिथि भगत सिंह कोश्यारी का पुष्प गुच्छ,स्मृति चिह्न और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा देकर स्वागत किया.समारोह का संचालन अभिनेता व कवि रवि यादव ने किया । जयराज सलगांवकर, संजय दुधाट,राकेश अचल अरविंद बब्बल, विजय पंडित,शंकर कनोजिया,जयंती माला मिश्रा व कृष्णकुमार मिश्र को वाग्धारा नवरत्न सम्मान प्रदान किया गया। इस समारोह में फिल्मकार रूमी जाफरी को जूरी अवार्ड,सुलभा कोरे को संध्या पांडेय स्मृति सम्मान, शैलेंद्र

श्रीवास्तव को नेत्रपाल सिंह रेल सेवा सम्मान तथा अरविंद राही को डॉ.शंकरलाल सारस्वत स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। हिंदुस्तानी प्रचार सभा के ट्रस्टी अरविंद डेगवेकर ने आभार व्यक्त किया। कार्यकारी अध्यक्ष दुर्गेश्वरी सिंह ने वाग्धारा का परिचय दिया।

सम्मानमूर्ति विश्वनाथ सचदेव ने कहा कि हर सम्मान एक उत्तरदायित्व लेकर आता है।काल निर्णय के संपादक जयराज सालगांवकर ने कहा कि हिंदी भाषा की सेवा मेरे जीवन का आधार रही है।

हिंदुस्तान प्रचार सभा के ट्रस्टी अरविंद डेगवेकर ने समारोह के अंत में आभार व्यक्त किया। वाग्धारा की सम्मान चयन समिति के अध्यक्ष जयंत देशमुख, वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्र , अवधेश कुमार पांडेय,श्रीकृपा पांडेय,गीतकार विसू,विनोद दुबे ,श्रधा मोहिते और नंदिता माजी शर्मा सहित मुंबई के पत्रकार, साहित्यकार, रंगकर्मी और विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सम्मान समारोह का आयोजन वाग्धारा व हिंदुस्तानी प्रचार सभा ने संयुक्त रूप से किया ।

ऑर्केस्ट्रा बार के अवैध निर्माण तथा ऑर्केस्ट्रा बार में चल रहे अवैध संचालन पर बड़ी कार्रवाई

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय के जोन एक के अंतर्गत आने वाले ऑर्केस्ट्रा बार में अवैध रूप से संचालित तीन प्रतिष्ठानों, पर कारवाई किया गया। जिसमें पहला स्टार नाइट ऑर्केस्ट्रा बार, दूसरा करावली ऑर्केस्ट्रा बार और तीसरा मीरा रोड पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले व्हाइट हाउस ऑर्केस्ट्रा बार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जीसपर मीरा भायंदर महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग को मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्त कार्यालय के पुलिस आयुक्त ने उक्त प्रतिष्ठानों में किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

उक्त निर्देश के अनुसार, ऑर्केस्ट्रा बार प्रतिष्ठान में किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु मीरा भायंदर महानगरपालिका को पत्र भेजा गया था। तदनुसार, मीरा भायंदर नगर निगम के अतिक्रमण विभाग प्रभाग क्रमांक 6 ने मीरा रोड पुलिस स्टेशन और काशिमीरा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्त क्षेत्र जोन एक के अधिकार क्षेत्र स्थित निम्नलिखित प्रतिष्ठानों में अवैध निर्माण के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई किया है। पहला स्टार नाइट ऑर्केस्ट्रा बार, दूसरा करावली ऑर्केस्ट्रा बार और तीसरा व्हाइट हाउस ऑर्केस्ट्रा बार, पर संबंधित नगर निगम नियमों के अनुसार कारवाई किया गया है।

पूर्व महापौर स्मृति शेष आर.आर. सिंह की पुण्यतिथि पर मुफ्त मेगा आरोग्य, शस्त्रक्रिया एवं रक्तदान शिविर संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आर.आर.एजुकेशनल ट्रस्ट मुलुंड सिटीजन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं म्हाडा कॉलोनी सोसायटीज एसोसिएशन द्वारा मुंबई के पूर्व महापौर स्मृति शेष आर. आर. सिंह की पुण्यतिथि पर आरोग्य चिकित्सा शिविर मुफ्त मेगा आरोग्य चेकअप एवं मुफ्त शस्त्र क्रिया शिविर का आयोजन वेदांत सेंट्रल हॉस्पिटल, घाटकोपर के सहयोग से आर आर सभागृह, आर. आर. एजुकेशनल ट्रस्ट मार्ग, म्हाडा,मुलुंड (पूर्व) पर किया गया। इस शिविर का उद्घाटन स्थानीय नगरसेविका अनीता नंदकुमार वैती एवं पूर्व नगरसेवक नंदकुमार वैती , डॉ. आर. आर. सिंह ,प्रसन्ना तारे, मोहनलाल राज द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं स्व. आर. आर. सिंह की प्रतिमा पर पुष्पमाला, पुष्प पंखुड़ियाँ अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविन्द सिंह,नगरसेवक प्रभाकर शिंदे, भाजपा नेता अनीश बालकृष्ण जोशी, जिलाध्यक्ष केतन शाह उपस्थित रहें एवं स्मृति शेष आर.आर. सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दिया । शिविर में वेदांत हॉस्पिटल घाटकोपर के

डॉक्टर्स की टीम द्वारा 495 मरीजों का ब्लड टेस्ट, बी. पी., ह्रदय रोग,अस्थमा, नेत्र जाँच, दंत चिकित्सा जाँच कर औषधियां वितरित की गई। शिविर में जाँच कर शरीर के किसी भी अंग में हुये रोग का मुफ्त ऑपरेशन (शस्त्र क्रिया) वेदांत सेंट्रल हॉस्पिटल, घाटकोपर पर किया जायेगा।

रक्तदान शिविर दीपक फाउंडेशन के अन्वीक्षा ब्लड बैंक सेंटर के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमें कई लोगों ने रक्तदान किया। आयोजक डॉ आर .आर .सिंह, मोहनलाल राज, जगदीश सिंह, शिक्षाविद् महेंद्र सिंह द्वारा सभी अतिथियों का शाल पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सत्कार किया गया। इस अवसर पर राजेश इंगले,डॉ. सचिन सिंह,समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव, मैथ्यु चेरियन,राकेश राघवन, अरविन्द यादव, राजेंद्र उटवाल, रइस खान, संतोष सोनावणे, राजेश सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें। आयोजन को सफल बनाने में वेदांत हॉस्पिटल की जन संपर्क अधिकारी श्रीमती माधुरी बेलोसे,समाजसेवी रामचंद्र सिंह, राजीव सिंह,पूर्णमासी सिंह, मनीष ठक्कर, विपुल गोगरी,भगवान किशोर तिवारी, बिपिन जोशी, चंद्रभान सिंह, निक्सन, आर. आर. सिंह विद्यालय एवं कॉलेज के सभी शिक्षकों, स्टॉफ का भरपूर सहयोग मिला।

कृषि क्षेत्र के लिए बजट में कोई ठोस सकारात्मक बदलाव नहीं: डा. विकास उबाले

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय बजट 2025-26 पूंजीगत निवेश के लिहाज से भले ही बेहतर दिखाई देता हो लेकिन लघु व मध्यम क्षेत्रों की सुविधाएं बढ़ाने में यह नाकाम साबित होता है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र-जो आने वाले भारत की बुनियाद है-उसके लिए बजट में कोई ठोस सकारात्मक परिवर्तन नहीं दिखता, यह विचार अर्थशास्त्री डॉ. विकास उबाले ने व्यक्त किए। यह व्याख्यान पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नती मंडल संचालित बी.एन.एन. कालेज में केंद्रीय बजट 2025-26 विषय पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य, अर्थशास्त्र, एसएफसी एवं आईक्यूएसी विभागों

के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें डा. उबाले प्रमुख वक्ता थे। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में शिक्षा पर निवेश जीडीपी का मात्र 2.9 प्रतिशत है, जबकि एनईपी के अनुसार यह कम से कम 6 प्रतिशत होना चाहिए। इससे स्पष्ट विरोधाभास सामने आता है। शालाओं, महाविद्यालयों, शिक्षकों और प्राध्यापकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव दिखाई देता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बजट से जुड़ी अपनी शंकाएं रखीं, जिनका वक्ता ने सुस्पष्ट उत्तर दिया। इस अवसर पर उपप्राचार्य डा. सुरेश भदरगे, उपप्राचार्य डा. कुलदीप राठौड, प्रा. मिलिंद नारनवरे, डा. चंद्रकांत म्हात्रे, प्रा. भारती चौधरी, डा. राजू रूपवते, प्रा. रूपेश पाटिल, प्रा. संजू पाण्डे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रस्ताविक डा. सुरेखा धेंडे ने किया, सूत्रसंचालन रुतुपूर्णा सोनवणे ने किया तथा आभार डा. सोनम मोरे ने व्यक्त किए।

आरबीआई के तहत केवाईसी-सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम अभियान व वित्तीय साक्षरता सप्ताह उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पहल के तहत केवाईसी-सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम कार्यक्रम के अंतर्गत 9 फरवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक पालघर जिले में वित्तीय साक्षरता सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान डहाणू तहसील के आगवण, जामशेत, हलदपाडा, धामटणे, विक्रमगड तहसील के कुर्जे तथा जव्हार तहसील के दाभोसा सहित कई गांवों में री-केवाईसी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को सुरक्षित बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करना और वित्तीय योजनाओं का लाभ दिलाना था। यह अभियान बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रायोजन से, महाबैंक कृषि अनुसंधान एवं ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान (मार्डेफ), पुणे तथा नाबार्ड के संयुक्त सहयोग से स्वाधार फिनांसेस सेंटर, पालघर के माध्यम से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र ग्रामीण

बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, ठाणे जिला मध्यवर्ती बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सहित विभिन्न बैंकों की शाखाओं के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि तथा ग्रामीण नागरिकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक विशाल वाघ, नाबार्ड बैंक प्रबंधक सुधांशु अश्विनकुमार, वित्तीय साक्षरता सलाहकार उज्वला कोकणे, स्वाधार फिनांसेस की समन्वयक मंगल वाघ तथा प्रशिक्षक संजय आहाडी, ज्योति बेंडगा, हेमा राऊत, जगदीश गोणके एवं गौतमी उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम विकास अधिकारी, सरपंच, उपसरपंच, रोजगार सेवक एवं मोबिलाइजर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविरों के दौरान नागरिकों को री-केवाईसी प्रक्रिया, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और अटल पेंशन योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में नागरिकों ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ भी लिया। वित्तीय साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी मान्यवरों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीण नागरिकों के प्रति आयोजकों ने आभार व्यक्त किया।

आशादीप विद्यामंदिर हाइस्कूल का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर (पूर्व) स्थित धनानी नगर, महावीर नगर में शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 1998 से निरंतर अग्रसर प्रकाश एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित आशादीप विद्यामंदिर हाइस्कूल (सेमी अंग्रेजी/हिंदी) का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह शुक्रवार 13 फरवरी 2026 को उत्साहपूर्वक संपन्न हो गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मान्यवर अतिथियों द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती एवं भारत माता के पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे के नेतृत्व में फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने

विद्यालय के संचालक प्रकाश कुमार त्रिपाठी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के संचालक प्रकाश कुमार त्रिपाठी, प्रधानाचार्य हरिओम शरण मिश्रा, जिला परिषद विद्यालय के मुख्याध्यापक निलेश सिंह, उद्योजक विवेक चौबे, रामभवन त्रिपाठी, श्रवण मिश्रा, रामप्रसाद पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, राकेश पाण्डेय सहित विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रधानाचार्य हरिओम शरण मिश्रा ने किया तथा सूत्र संचालन शिक्षिका जया शरद कुरकुटे ने किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सड़क दुर्घटना में चार घायल, एक की हालत गंभीर

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र केराकत कोतवाली के मनियरा मोड के शाही दरबार के पास दो पहिया वाहनों की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर उस समय हुई जब शिक्षक विद्यालय से जौनपुर की तरफ जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों के उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। विदित हो कि शेखजादा निवासी अमन यादव पास के ही लिटिल लैंजर स्कूल में शिक्षक है स्कूल के छुट्टी के बाद बॉसबारी निवासी कार्तिक दुबे के साथ जौनपुर की तरफ जा रहे थे कि जैसे ही मनियरा मोड के शाही दरबार के समीप पहुंचे तभी सामने से आ रही बाइक से भिड़ंत हो गई। भिड़ंत होते ही दोनों बाइक सड़क के किनारे जा गिरे भिड़ंत की आवाज सुन आस पास के लोगो की भीड़ इकट्ठा हो गई, भीड़ से किसी ने घटना की सूचना

पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आई जहां चिकित्सकों ने घायलों में अमन यादव पुत्र राजेश, कारिया सोनकर पुत्र हरिदेव, संतरा पत्नी लालचंद व में से कार्तिक दुबे की स्थित नाजुक देख बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया।

तीन महीने में याद कर कुरान किया मुकम्मल

हफिजा को मिला उमराह पैकेज, क्षेत्र में खुशी का माहौल, ग्रामीणों ने खिलाई एक दूसरे की मिठाईया

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के प्रमुख धार्मिक संस्थानों मदरसा हिदायत उल इस्लाम और जामिया अबू-हसन लिल-बनत ने 12 फरवरी 2026 को नवादा फूलपुर में पवित्र कुरान की याद पूरी करने का शानदार समारोह आयोजित किया। जिसमें तीन महीने में कुरान पूरा करने वाली रहिमा अब्दुल-मानन को जामिया अबू-हसन को सम्मानित किया गया। लिलबनात नवादा ने उमरा पैकेज के लिए दिया बड़ा सम्मान। इस बीच एक ही बैठक में दो मुमताज हाफिज को पूरा कुरान सुनाने के लिए साइकिल का बहुमूल्य इनाम दिया गया।

मदरसे के तीन बच्चों ने पवित्र कुरान मुकम्मल करने का सम्मान प्राप्त किया। जबकि विश्वविद्यालय के दस बच्चों ने याद करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

एक आकर्षक कार्यक्रम में, छात्रों

को उनके शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बहुमूल्य पुरस्कार और मानद प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

हजरत मौलाना वसीम अहमद शेरवानी अध्यक्ष जमीयत उलमा जिला जौनपुर, हजरत मौलाना मुफ्ती मुहम्मद यासिर साहब अध्यक्ष जमीयत उलेमा आजमगढ़, हजरत मौलाना कारी महमूद आलम बलियावी, मुफ्ती अजूदुल्लाह फूलपुरी, मुफ्ती ओबैदुल्लाह शमीम, मुफ्ती मुहम्मद शाकिर, मौलवी अब्दुल बार साहब और मौलवी। असीम कमाल साहब और हाफिज जुनैद साहब सहित बड़ी संख्या में उलेमा, अधिकारीगण, अभिभावकगण और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक मौलाना आतिफ नदवी ने संस्था की उत्पत्ति और संतोषजनक दृष्टि की योजना बनाई और कहा कि जनता की ईमानदारी और सहयोग से संस्था अपनी सारी ऊर्जा शिक्षा और तालीम में समर्पित करती रहेगी नई पीढी की । इस कार्यक्रम को नाजिम मदरसा और जामिया माननीय हाफिज शबिया उल हसन और अध्यक्ष समिति माननीय मुंशी आफताब साहब द्वारा प्रायोजित किया गया था, और सिस्टम के कर्तव्यों को मदरसा हिदायत उल इस्लाम के मुफ्ती मुहम्मद इस्लाम साहब ने निभाया था।

बैंक कर्मचारियों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्षरत रहे शीतला प्रसाद: धनंजय सिंह

पूर्व सांसद ने निवास स्थान पहुंचकर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के छताई कला निवासी, वरिष्ठ बैंक यूनियन नेता, समाजसेवी एवं श्रमिक हितों के सशक्त प्रहरी स्वर्गीय श्री शीतला प्रसाद सिंह के तेरहवीं संस्कार के अवसर पर शुक्रवार को उनके निवास स्थान पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, बैंकिंग जगत से जुड़े पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं तथा स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर आत्मा की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित की।

इस अवसर पर जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह उनके निवास स्थान पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शीतला प्रसाद सिंह ने अपने पूरे जीवनकाल में बैंक कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और उनके

समाज और श्रमिक आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति

हितों के लिए निरंतर संघर्ष किया। वह एक निडर, सिद्धांतवादी और कर्मठ नेता थे, जिन्होंने सदैव श्रमिक वर्ग की आवाज को मजबूती प्रदान की। उनका जीवन समाज सेवा, समर्पण और जनकल्याण का प्रेरणादायक उदाहरण है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

पूर्व सांसद ने कहा कि स्वर्गीय सिंह का व्यक्तित्व अत्यंत सरल,

संवेदनशील और जनहित के प्रति पूर्णतः समर्पित था। उन्होंने न केवल बैंक कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया, बल्कि समाज के हर वर्ग के लोगों के सुख-दुःख में सहभागी बनकर सेवा का एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने उनके निधन को बैंकिंग क्षेत्र, श्रमिक आंदोलन तथा संपूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। शीतला प्रसाद का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक था, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। शीतला प्रसाद सिंह इंडियन काउंसिल ऑफ इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट (क्छक्ट) के चेयरमैन, पर्यावरणविद्, लॉ ऑफ लेबर एडवाइजर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष, औद्योगिक श्रम कानून सलाहकार एवं सोशल ऑडिटर सत्येंद्र सिंह के पिता थे, वह पिछले लगभग दो वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका उपचार मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। श्रद्धांजलि सभा में बैंक यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शुक्ला, राजीव धवल, चंद्रभान मौर्य, लवकुश मौर्य, धर्मेंद्र सिंह, चतुर्भुज सिंह, अजय सिंह, हनुमान सिंह, बबलू बाबा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रीय लोगों ने उपस्थित होकर स्वर्गीय शीतला प्रसाद सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

यूजीसी की नेट परीक्षा में शिक्षा शास्त्र उत्तीर्ण करने वाली छात्रा वंशिता अग्रहरि को फरीदुल मेमोरियल पीजी कालेज ने किया सम्मानित

इम्तियाज अहमद

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फरीदुल मेमोरियल पी जी कालेज तालीमाबाद सबरहद, शाहगंज जौनपुर ने दिसंबर 2025 यूजीसी की नेट परीक्षा, शिक्षा शास्त्र, उत्तीर्ण करने पर अपनी छात्रा वंशिता अग्रहरि को सम्मानित करने के लिए महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.तबरेज आलम ने बुके, पुस्तक एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ.तबरेज आलम ने इस अवसर पर उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहां कि वंशिता अग्रहरि ने देश की इस कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण कर महाविद्यालय के साथ साथ इस क्षेत्र का मान बढ़ाया है। महाविद्यालय परिवार वंशिता अग्रहरी के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। वंशिता की इस सफलता से महाविद्यालय के साथ साथ क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर वंशिता अग्रहरी ने कहा कि लगन और मेहनत के साथ अध्ययन करने पर कठिन से कठिन परीक्षा को पास

किया जासकता है। वंशिता ने कहा कि कि अगर हम सभी मनोयोग के साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं तो ऐसी कोई उपलब्धि नहीं है जिसको प्राप्त न किया जा सके।वंशिता ने अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने शिक्षक डॉ.पीयूष श्रीवास्तव को दिया जिनहोंने लगातार उसका मार्गदर्शन किया। उसने इस सम्मान के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.तबरेज आलम एवं समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर डॉ.निजामुद्दीन, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश यादव, श्रीमती गीता देवी, डॉ. अमित दयनाथ गुप्ता, डॉ.शिव प्रसाद यादव, डॉ.अनामिका पाण्डेय, डॉ.राकेश सिंह, डॉ.पूजा रानी, रियाज अहमद, डॉ.रविंद्र कुमार यादव, कहकशा खान ओम प्रकाश चौरसिया, डॉ.भास्कर तिवारी, डॉ.रामचंद्र मौर्य सहित अन्य शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहें।

श्री संकट मोचन संगठन का भव्य भण्डारा एवं दिव्य झांकी कार्यक्रम आज

गोपी घाट पर बाबा गोमतेश्वर नाथ मन्दिर के प्रांगण में होगा यह आयोजनः सूरज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री संकट मोचन संगठन (ट्रस्ट) द्वारा भव्य भण्डारा एवं दिव्य झांकी कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है जो 15 फरवरी दिन रविवार को शाही पुल के बगल में स्थित गोपी घाट पर विराजमान बाबा गोमतेश्वर नाथ मन्दिर के प्रांगण में होगा।

नगर के नखास स्थित उपरोक्त स्थल पर यह आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के दिन हो रहा है जहां हजारों

भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इस आशय की जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष आदित्य चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। वहीं ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सूरज निषाद ने नगर के समस्त शिवभक्तों से उक्त अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील किया। साथ ही बताया कि भण्डारा एवं झांकी रविवार की सुबह 6 बजे से शुरू होकर प्रभु की इच्छा तक चलेगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर में नहीं रुक रही रिश्वतखोरी

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नगर पंचायत अंतर्गत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर में रिश्वतखोरी चरम सीमा पर है। रिश्वतखोरी पर अंकुश नहीं लग रहा है।इस अस्पताल में डिलीवरी कराने पर सिस्टर द्वारा धुआंधार रिश्वत लिया जाता है। रामपुर कटाहित खास निवासी सुगना देवी अपने बहू को डिलीवरी के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर में आई तो सिस्टर द्वारा उनसे ऑपरेशन करने के लिए करने के लिए रू.5000 की मांग की गई तथा रू.1200 की दवा बाहर मेडिकल स्टोर से मंगा ली गई। ड्यूटी पर तैनात सिस्टर पार्वती व रीता ने पीड़ित सुगना देवी से रू.4000 तुरंत जमा करा लिए। इसके बाद आपरेशन से डिलवरी कराये।फिर पीड़ित से रू.1000 की मांग करने के लिए सिस्टर दबाव बनाने लगी। इस अस्पताल में सिस्टर द्वारा आए दिन डिलीवरी के लिए आए पीड़ित गर्भवती महिला से दबाव बनाकर मनमानी पैसा लिया जाता है। किसी का कोई भय नहीं है। कुछ दिन पहले नॉर्मल डिलीवरी पर एक महिला से सिस्टर द्वारा रुपए की मांग की गई। महिला द्वारा 500 रु देने पर सिस्टर उससे नाराज हो गई थी। इसी प्रकार ऑपरेशन के नाम पर छः हजार रुपये एक महिला से सिस्टर द्वारा लिया गया। जिस पर विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने संज्ञान लेकर सीएमओ से शिकायत की थी। लेकिन इसके बावजूद भी यहां पर सिस्टर द्वारा मनमानी पीड़ितों से पैसे लिए जा रहे हैं। यहां की सिस्टर पर किसी अधिकारी का कोई डर नहीं है।

हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में डॉ.शिवम सिंह एवं शुभम सिंह का हुआ चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्ध तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर के हिन्दी विभाग में प्राध्यापक डॉ.महेन्द्र कुमार त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र डॉ०शिवम सिंह ने हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में सफलता अर्जित की। ज्ञात हो कि, दिनांक 30 अप्रैल 2024 को डॉ.शिवम की शोध मौखिकी परीक्षा शीर्षक त्रिलोचन की काव्य संवेदना के विविध आयाम एवं शिल्प वैशिष्ट्य विषय पर शोध उपाधि प्राप्त की हैं। उल्लेखनीय यह है कि डॉ.शिवम के छोटे भाई शुभम सिंह का चयन उक्त परीक्षा में हुआ है। हिन्दी विषय के शोधार्थी शुभम सिंह शीर्षक नवगीत परंपरा और आधुनिकतावादी चेतना एवं शंभूनाथ सिंह का काव्य पर शोध कार्य शोध निर्देशिका डॉ. प्रतिमा सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग, डॉ.राममनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय मुफ्तीगंज, जौनपुर के मार्गदर्शन में कर रहे है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बड़े भाई- डॉ.माधवम सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, शुभांगम सिंह, बहन जागृति सिंह, स्तुति सिंह, अलंकृता सिंह, उन्नति सिंह,भाभी डॉ. सौम्या सिंह, माता- प्रमिला सिंह, पिता-रविन्द्र कुमार सिंह, बड़े पिता-पत्रकार एवं कवि अरविन्द कुमार सिंह बेहोश जौनपुरी, चाची -दीपमाला सिंह, चाचा - रजनीश सिंह (प्रवक्ता), बुआ गीता सिंह, श्रुतिकृति सिंह, रीता सिंह एवं मदारपुर ग्राम वासियों पारस नाथ सिंह, विनय सिंह सुरेन्द्र सिंह, राम मोहन सिंह, राज नारायण सिंह, भीम सेन सिंह, उमाशंकर सिंह, हिमांशु सिंह, प्रशांत सिंह, अवनीश सिंह, शैलेश सिंह, उत्कर्ष सिंह, दीपक सिंह, प्रवीण सिंह, हेमंत सिंह, आदित्य सिंह आदि ने बधाई देकर हर्ष व्यक्त किया।

डीएम जौनपुर ने त्रिलोचन महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था,सीसीटीवी,सुरक्षा का लिया गया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा तहसील केराकत अंतर्गत स्थित त्रिलोचन महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की गई तथा महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत मंदिर परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे एवं सुरक्षा प्रबंधों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

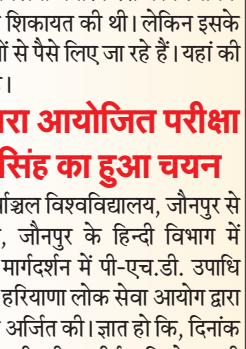

जिलाधिकारी ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियों का गहन निरीक्षण किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मूलभूत सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिरों एवं शिवालयों में साफ-सफाई कराई जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराया जाए तथा भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में उपजिलाधिकारी केराकत एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी केराकत शैलेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मानीकलां में सड़क पर महीनों से पानी जमा

टूटी पाइपलाइन से दूषित हो रहा पेयजल, आवागमन बाधित

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत मानी कलां में तेड़हका पुल के पास पिछले कई महीनों से सड़क पर जल निगम का पानी जमा है। एक टूटी हुई पाइपलाइन के कारण यह पानी इंटरलॉकिंग सड़क पर बह रहा है, जिससे सड़क अब एक गंदे नाले में तब्दील हो गई है।

इस स्थिति के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पैदल चलने वालों के साथ-साथ साइकिल और बाइक सवारों को भी इस रास्ते से गुजरने में काफी मुश्किल होती है। यहां से गुजरते समय फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह समस्या कई महीनों से बनी हुई है। बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी राहगीर प्रतिदिन जोखिम उठाकर इस रास्ते का उपयोग करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जल

निगम द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई पहल नहीं की गई है। टूटी हुई पाइपलाइन से बहने वाला यह पानी दूषित भी हो रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने जल निगम के कर्मचारियों से तत्काल मौके पर पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था को ठीक करने और सड़क को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस परेशानी से मुक्ति मिल सके।

दिसम्बर-जनवरी में 29 गैंगचार्ट स्वीकृत, 113 अपराधियों पर गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई

जेल खाते से धन निकासी, हत्या, लूट, दुष्कर्म व अवैध शराब तस्करी के आरोपी शामिल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में आपराधिक प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा दिसम्बर 2025 में 12 तथा जनवरी 2026 में 17, कुल 29 गैंगचार्ट स्वीकृत किए गए हैं। इन गैंगचार्ट में कुल 113 अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। प्रशासन द्वारा स्वीकृत गैंगचार्ट के आधार पर विभिन्न थानों में दर्ज संगीन मामलों में आरोपितों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। थाना कोतवाली में दर्ज एक मामले में जिला

जिलाधिकारी की सख्तीः संगीन मामलों में ताबड़तोड़ दण्डात्मक कदम उठाये जाये

कारागार के सरकारी खाते से 52 लाख 85 हजार रुपये की निकासी प्रकरण में छह अभियुक्तों को गैंगेस्टर एक्ट के तहत नामजद किया गया है। इसके अलावा चोरी, हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, गोवंश व पशु चोरी तथा अवैध शराब तस्करी जैसे मामलों में भी आरोपितों पर कार्रवाई की गई है। थाना सिधारी में हत्या व आर्म्स एक्ट के मामले में छह, सरायमीर में चोरी के मामले में चार, मुबारकपुर में गोवंश चोरी के मामलों में सात, जबकि पॉक्सो एक्ट व आईटी एक्ट के तहत सामूहिक दुष्कर्म और वीडियो वायरल करने के मामले में चार अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार थाना गंभीरपुर में हत्या के प्रयास तथा मारपीट व लूट के मामलों में पांच, और थाना जहानागंज में एम्बुलेंस के माध्यम से अवैध शराब तस्करी एवं लूट/डकैती के मामलों में नौ अभियुक्तों को गैंगेस्टर एक्ट के तहत अभियोजित किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आगे भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

बाबा बारीनाथ मठ में विशाल भंडारा आज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा बारी नाथ मठ हिन्दी बाजार में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में इस बात की जानकारी देते हुए बारीनाथ मठ के महंत योगी हरदेव नाथ ने बताया कि 14 फरवरी को गुरू गोरखनाथ धूना पूजन रात्रि 11 से 12 बजे तक इसके बाद महारूद्राभिषेक और 15 फरवरी को सुबह 11 बजे से आदिनाथ शिवजी का जलाभिषेक किया जाएगा। तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से माँ अन्नपूर्णा का विशाल भंडारा आयोजित है। बाबा हरदेवनाथ ने जनपद के समस्त शिवभक्तों से अपील किया है कि वह समय से उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर पुण्य के भागी बने।

सेना के जवान की सड़क हादसे में मृत्यु पर 1.05 करोड रुपए देने का का आदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुत्तूपुर निवासी सिक्किम में तैनात सेना के जवान अशोक कुमार की 3 वर्ष पूर्व सड़क हादसे में मौत हो गई थी। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश मनोज कुमार अग्रवाल ने दुर्घटना करने वाले वाहन स्कॉर्पियो की बीमा कंपनी को आदेश दिया कि मृतक की पत्नी व बच्चों को 2 माह के भीतर ब्याज सहित 1.05 करोड रुपए क्षतिपूर्ति की धनराशि अदा करें। बता दें कि 14 सितंबर 2022 को अशोक कुमार (उम्र 42 वर्ष) मोटरसाइकिल से अपने बायें से शाहगंज से वापस घर कुत्तूपुर आ रहे थे कि समय 6:00 बजे शाम जब वह तरसावां मोड़ के पास पहुंचे तभी स्कॉर्पियो नंबर यूपी 50 एजे 8884 के चालक ने तेजी व

दो पहिया वाहन से शाहगंज से घर आते समय स्कॉर्पियो की टक्कर से 3 वर्ष पूर्व हुई थी मृत्यु

लापरवाही पूर्वक चलाते हुए अशोक कुमार की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया जिससे उनकी मृत्यु हो गई। वह सशस्त्र सीमा बल सिक्किम में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। मृतक अशोक की पत्नी सोनी व उसके बच्चे निवासी कुत्तूपुर ने मोटर एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल में अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव व नीलेश निषाद के माध्यम से दुर्घटना करने वाले वाहन स्कॉर्पियो के स्वामी, चालक व बीमा कंपनी के खिलाफ क्षतिपूर्ति का मुकदमा दाखिल किया तथा याची मृतक की पत्नी व गवाहों का बयान दर्ज कराया गया। विपक्षी ड्राइवर ने भी अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद स्कार्पियो चालक की उपेक्षा व लापरवाही पाते हुए स्कॉर्पियो की बीमा कंपनी को आदेश दिया कि पीड़ित परिवार को दो माह के भीतर क्षतिपूर्ति की धनराशि अदा करें।

एआईएमआईएम सिर्फ मुस्लिमों की नहीं, हिंदुस्तानियों की पार्टीः इमरान बंटी

गार्गी यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एआईएमआईएम के बारे में ये आख्यान रच दिया गया है कि एआईएमआईएम सिर्फ मुस्लिम समाज की आवाज बन कर उभरने का प्रयत्न करता है तो उसे तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल वोट काटने का आरोप लगा कर जनता को भ्रमित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश

समाज की पार्टी है। जोकि पूर्ण रूप से गलत है। एआईएमआईएम हिंदुस्तानियों की पार्टी है। उक्त बातें एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने पत्रकार भवन में हुई पत्रकार वार्ता के दौरान कही।उन्होंने कहा कि देश में सभी समाज के लोगों का अपना नेतृत्व है,परन्तु अगर कोई मुस्लिम समाज का व्यक्ति अपने में मुस्लिम समाज सामाजिक-राजनीतिक तौर पर हासिये पर है। संवैधानिक पद पर बैठे हुए लोग और देश की सबसे बड़ी पार्टी के नेतागण आए दिन अल्पसंख्यक समाज के बहुसंख्यक वर्ग पर गैरसंवैधानिक टिप्पड़ी करते हैं, जिससे मुस्लिम समाज में भय बना रहता है । जब पार्टी मुखिया श्री ओवैसी इस विषयों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं तो उन्हे भड़काऊ भाईजान कह कर सम्बोधित किया जाता है। उन्होंने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव में पचास से अधिक सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी, और भारी सफलता हासिल करेगी। तथा ि ब ा न ा एआईएमआईएम सदस्यों के समर्थन के कोई जिला पंचायत अध्यक्ष नहीं बन पाएगा । उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी जनपद की सभी सीट पर ग्रास रूट पर संगठन मजबूत कर रही है। इस अवसर पर पूर्वांचल संयुक्त सचिव जावेद सिद्दीकी, अभयराज भारती, जिला महासचिव शाहनेयाज अहमद, इरशाद अहमद, नगर अध्यक्ष जावेद अजीम, जिला संयुक्त सचिव शमशाद अहमद, शहजादे अंसारी, मजनू राम गौतम, सलाहुद्दीन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जौनपुर में आजमगढ़ के युवक का शव मिला, चेहरे पर गहरे चोट के निशान

-शुभम यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरदह थाना क्षेत्र में शनिवार को एक अज्ञात युवक का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र सनसनी फैल गई। युवक के चेहरे पर गहरे चोट के निशान मिला है। इसके साथ ही शव के पास गुलाब की पंखुड़ियां बिखरी मिलीं, जिससे मामला और रहस्यमय प्रतीत हुआ। सूचना पर पहुंचे पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

गौराबादशाहपुर नगर पंचायत सीमा से करीब 50 मीटर दूर जिवली स्थित यूनियन बैंक के पास शव पाया गया। मृतक की पहचान आजमगढ़ के सेनुरी सरायमीर निवासी नीतीश यादव (24) पुत्र योगेंद्र के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे छोटे भाई नितिन यादव ने बताया कि मृतक नीतीश बड़ा भाई था। मौसी के घर जाने को निकला था नितिन छोटे भाई नितिन ने आगे बताया कि वह ठेकमा स्थित एक टेंट हाउस में काम करता था। नीतीश शुक्रवार की सुबह में अपनी मौसी के घर के लिए निकला था। उसकी मौसी का घर थाना क्षेत्र के कुरेथू गांव में है। बता दें कि ग्रामीणों ने शव के पास चप्पलें रखी देख कई तरह की अटकलें लगाईं, जबकि पुलिस ने प्रथम दृष्टया सड़क हादसे की आशंका जताई है। छोटे भाई नितिन ने बरदह थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

बिहार के कटिहार में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने बिहार के कटिहार में एक रोड सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया। यह प्रोग्राम युवा सड़क इस्तेमाल करने वालों के बीच सुरक्षित सड़क इस्तेमाल करने के तरीकों को सपोर्ट करने की अपनी लगातार कोशिशों का हिस्सा है। इस पहल में स्कॉटिश पब्लिक स्कूल के 2000 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें ज़िम्मेदार सड़क व्यवहार और बेसिक ट्रैफिक अवेयरनेस पर फोकस किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रारंभिक स्तर पर आवश्यक सड़क सुरक्षा व्यवहारों से परिचित कराना था, ताकि वे वर्तमान और भविष्य के सड़क उपयोगकताओं के रूप में अपनी भूमिका को समझ सकें। कम उम्र में जागरूकता सुरक्षित आदतों को विकसित करने, सड़क पर सोच-समझकर निर्णय लेने को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ साझा सीख के माध्यम से परिवारों और समुदायों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। प्रतिभागियों ने सुरक्षित राइडिंग मार्गदर्शन, खतरा-पूर्वानुमान प्रशिक्षण, खेलों और क्विज सहित इंटरएक्टिव सत्रों में भाग लिया। इस अभियान की सफलता में स्कॉटिश पब्लिक स्कूल की सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सड़क सुरक्षा जागरूकता एचएमएसआई की देशभर में सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति का एक अहम हिस्सा है। स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों के साथ नियमित सहभागिता के साथ-साथ सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के माध्यम से, कंपनी सुरक्षित राइडिंग और ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करने वाली पहलों का लगातार समर्थन करती है।

चंद्रकांत दादा पाटिल ने पिल्लई यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया

नवी मुंबई। महात्मा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा प्रमोटेड पिल्लई यूनिवर्सिटी, नवी मुंबई का औपचारिक उद्घाटन मंगलवार, 10 फरवरी, 2026 को डॉ. के.एम. वासुदेवन पिल्लई कैंपस, न्यू पनवेल में महाराष्ट्र सरकार के सीनियर नेताओं, चुने हुए प्रतिनिधियों और शिक्षा और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के क्षेत्र के जाने-माने लोगों की मौजूदगी में हुआ। उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र सरकार के माननीय हायर और टेक्निकल एजुकेशन मिनिस्टर चंद्रकांत दादा पाटिल चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। प्रशांत रामशेठ ठाकुर, महेश बाल्दी, विक्रांत पाटिल के साथ लेजिस्लेटिव असेंबली और काउंसिल के माननीय सदस्य, हायर और टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी बी. वेणुगोपाल रेड्डी, कब्बर और पनवेल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के म्युनिसिपल कमिश्नर मंगेश पांडुरंग चितले मौजूद थे।

औपचारिक कार्यक्रम दीप जलाने के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद जाने-माने लोगों ने भाषण दिए, यादगार पट्टिकाओं का अनावरण किया और पिल्लई यूनिवर्सिटी का आधिकारिक उद्घाटन हुआ। इस सेरेमनी में पिल्लई यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ने भी शपथ ली। पिल्लई यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र के हायर एजुकेशन सेक्टर में एक मील का पत्थर है, जिसका फोकस ग्लोबल एकेडमिक सहयोग, रिसर्च-इंटेंसिव एजुकेशन, टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड एजुकेशन और डेवलप्ड इंडिया 2047 जैसी नेशनल प्रायोरिटीज के हिसाब से स्किल डेवलपमेंट पर है। पिल्लई यूनिवर्सिटी को एक्ट नंबर 45 ऑफ 2025 के तहत बनाया गया था, जिसे महाराष्ट्र लेजिस्लेचर ने 1 सितंबर 2025 को सही तरीके से पास किया था, जिससे यूनिवर्सिटी को ऑफिशियली उसका स्टैच्युटरी स्टेटस मिला।

अभद्र टिप्पणी पर गायक के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में थाना बक्सा पुलिस ने गायक निलेश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दबिश देना शुरू कर दिया है। ग्राम बेलछा निवासी निलेश यादव पुत्र राम अवध यादव ने अपने फेसबुक आईडी से न्यूज वन इंडिया के जिला संवाददाता देवेंद्र खरे के खिलाफ कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद संबंधित पक्ष द्वारा थाने में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही आम नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया का प्रयोग जिम्मेदारी और संयम के साथ करें।

महाराष्ट्र ने की IDSA महाविकास 2026 की मेजबानी

मुंबई में सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं के बीच हुआ अहम संवाद

मुंबई। महाराष्ट्र में आज बड़े सरकारी अधिकारी, कंज्यूमर कमीशन के सदस्य, इंडस्ट्री लीडर और टअश्क्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला डायरेक्ट सेलर्स और सेल्फ हेल्प ग्रुप्स एक साथ इकठ्ठा हुए। यह कार्यक्रम इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (IDSA) ने महाराष्ट्र सरकार के फूड, सिविल सप्लाइज और कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट के साथ मिलकर .इ. चव्हाण सेंटर में आयोजित किया था। इस कांफ्रेंस में डायरेक्ट सेलिंग सेक्टर में उपभोक्ता जागरूकता, नैतिक व्यापार नीतियों और महिला एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

भारत की डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री लगातार बढ़ रही है। क्लरअ के सालाना सर्वे ऋ 2023–24 के अनुसार इस सेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में कुल 22,142 करोड़ की बिक्री की। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले 4.04 प्रतिशत ज्यादा है। यह सेक्टर अभी देश भर में 88 लाख से ज्यादा डायरेक्ट सेलर्स को सपोर्ट करता है। इन 88 लाख में करीब 39 लाख महिलाएं हैं।

महाराष्ट्र इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बना है। इस सेक्टर में महाराष्ट्र राज्य की कुल बिक्री 2,879 करोड़ है और राष्ट्रीय बाजार में इसका 13 प्रतिशत हिस्सा है। राज्य में 10 लाख से ज्यादा सक्रिय डायरेक्ट सेलर्स इस सेक्टर से अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं।

यही कारण है कि महाराष्ट्र इस इंडस्ट्री के विस्तार और जवाबदेही में सबसे आगे है। कॉन्फ्रेंस में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, शिकायत सुलझाने के तरीके और ज़िम्मेदार व्यापार व्यवहार पर खास चर्चा हुई। स्मार्ट कंज्यूमर, स्ट्रॉन्ग मार्केट्स शीर्षक वाले एक खास सेशन में डायरेक्ट सेलिंग प्लेटफॉर्म और उपभोक्ता सुरक्षा उपायों के मूल्यांकन पर व्यवहारिक सलाह दी गई। पैनलिस्ट में श्रीमती वंदना मिश्रा, प्रेसिडेंट, डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन; एडवोकेट उदय वारुंजिकर, मेंबर, कंज्यूमर लॉयर्स एसोसिएशन, मुंबई ने अपने विचार शेयर किए। एंपावरिंग विमेन थ्रू एंटरप्रेन्योरशिप नाम एक अन्य सेशन में ऐसे महिला डायरेक्ट सेलर्स और टअश्क्ट सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स की यात्रा दिखाई गई, जो अलग-अलग समुदाय में टिकाऊ रोजी-रोटी कमा रहे हैं। इन महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह 2026 समारोह का आयोजन

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार में राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह 2026 समारोह का दूसरा कार्यक्रम बिहार राज्य उत्पादकता परिषद द्वारा राजेंद्र नगर रोड नंबर 6 स्थित भार्गव हाउस में आयोजित किया गया। विकास के इंजन के रूप में क्लस्टर - एमएसएमई में उत्पादकता को अधिकतम करना विषय पर एक सम्मेलन के रूप में किया गया जिसमें बड़ी संख्या में एमएसएमई और हितधारक उपस्थित रहे। स्वागत भाषण बीएसपीसी के उपाध्यक्ष एम. के दास ने दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का 68वां वर्ष है। उन्होंने हालिया बजट को कॉर्पोरेट मित्र, चैंपियन एमएसएमई नगर आर्थिक क्षेत्र और अन्य प्रावधानों के साथ ऐतिहासिक बताया। बीएसपीसी के महासचिव एडवोकेट बी के सिन्हा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि क्लस्टर एमएसएमई क्षेत्र में उत्पादकता आधारित विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरे हैं और केवल उत्पादकता विकास ही एमएसएमई को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में मदद कर सकता है। उन्होंने बिहार में फलते-फूलते क्लस्टरों जैसे खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा डेयरी, आईटी, ऑटोमोटिव और ऑटो कंपोनेंट्स आदि पर प्रकाश डाला। एसबीआई के पूर्व महाप्रबंधक के सी रंगनाथ ने आधुनिक क्लस्टरों की सफलता के प्रमुख कारकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नवाचार और विकास को प्रोत्साहन देना, सार्वजनिक नीतियों का समन्वय करना, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और स्टार्टअप के माध्यम से वित्तपोषण तथा विपणन सहायता प्रदान करना आवश्यक है।

भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

-दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत बक्शा मोड़ के समीप आज एक तेज रफ्तार फोर व्हीलर और बाइक के पिछे से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। युवक कि पहचान राजेश कुमार पुत्र हेम नाथ पता बक्शा क्षेत्र के चकमुरली पोस्ट शम्भूगंज उतरेजीपुर गांव का निवासी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर लहुलूहान हो गया। और फोर व्हीलर वाहन मौका पाकर फरार हो गई दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना की सूचना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को दी। मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस के जरिए घायल युवक को तुरंत उपचार के लिए ले जाया गया। ग्रामीणों की मदद से घायल को नौपेडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुँच गई। पुलिस जांच पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों से गूंजा, पुलवामा शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में दिव्यांशु सिंह के नेतृत्व में छात्र संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हाथों में मोमबत्तियां जलाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्र नेता दिव्यांशु सिंह ने कहा कि पुलवामा में वीर जवानों का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उनकी शहादत राष्ट्र की अस्मिता, साहस और अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। भारत का प्रत्येक नागरिक भारतीय सेना का सिपाही है और देश की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा के लिए सदैव सजग रहेगा। आज का युवा वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कर्तव्यों का निर्वहन करे, यही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पुलवामा घटना ने देश को एकजुट किया था और आज भी यह संदेश देती है कि संकट में राष्ट्र एक साथ खड़ा होता है। हमें सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति को सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए।

श्रद्धांजलि सभा में पृथ्वीराज सिंह, साईं राम यादव, पवन यादव, शुभम, रवि, मोनू, शंभूनाथ, आलोक पंडित, नीतिश, दीपक, बिपुल मिश्रा, रजनीश यादव, अनिकेत बिंद सहित अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। सभी ने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और शहीदों के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित सभी ने देश की एकता-अखंडता की रक्षा और शहीदों के त्याग को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। छात्र संघर्ष मोर्चा जौनपुर

जिलाधिकारी ने कोटि तीर्थ वराह धाम केराकत पहुंचकर किया पूजा-अर्चना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने आज कोटि तीर्थ वराह धाम, रामगढ़ चंदवक, ब्लॉक-डोभी, केराकत पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान जिलाधिकारी ने गोमती नदी के पावन तट पर आयोजित संत समागम में सहभागिता करते हुए कहा कि संतों के मध्य उपस्थित होना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य और आत्मिक प्रसन्नता का विषय है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने संत समाज के आशीर्वाद को अपने जीवन में आत्मसात करने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि संतों का सानिध्य और आशीर्वाद व्यक्ति के जीवन को दिशा और ऊर्जा प्रदान करता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती तट पर आयोजित यह संत समागम सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संतजन भगवान सूर्य की ऊर्जा से प्रेरणा लेकर गांव-गांव, शहर-शहर तथा पूरे राष्ट्र में भ्रमण कर भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने सभी संतों के चरणों में नमन करते हुए उनके योगदान को राष्ट्र और समाज के लिए अमूल्य बताया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनपद जौनपुर सहित प्रदेश के विभिन्न प्राचीन मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों को चिन्हित कर उनके जीर्णोद्धार एवं विकास के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं, जिनकी स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित धार्मिक स्थलों के विकास हेतु सरकार की प्रतिबद्धता है। गोमती तट स्थित यह ऐतिहासिक धार्मिक स्थल भी इसी श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रयागराज में शिक्षा प्राप्त करने तथा हरिद्वार से सेवा प्रारंभ करने के दौरान उन्हें विभिन्न अखाड़ों के संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला, जो उनके जीवन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि संतों का आशीर्वाद ही राष्ट्र और धर्म की रक्षा का आधार रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब राष्ट्र या धर्म पर संकट आया, संत समाज ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा की है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि धर्म का तात्पर्य केवल किसी एक मत या संप्रदाय से नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, मानवता के कल्याण और समरसता से है। सनातन धर्म सबको साथ लेकर चलने का संदेश देता है और समस्त मानव जाति के कल्याण की कामना करता है।

शादी या दिखावे की नुमाइश डॉ. अंजना सिंह ने समाज की 'दुखती रग' पर रखा हाथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपनी शालीनता और प्रखर समाजसेवा के लिए पहचानी जाने वाली भाजपा नेत्री डॉ. अंजना सिंह ने वर्तमान दौर की शादियों में बढ़ रहे 'तमाशे' और 'फिजूलखर्ची' पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने एक ऐसा मुद्दा उठाया है, जो आज हर मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार के लिए 'जी का जंजाल' बन चुका है। रील्स और सीरियल्स ने बिगाड़ा समाज का संतुलन

डॉ. सिंह का कहना है कि गोदभराई, प्री-वेडिंग शूट, और थीम बेस्ड संगीत जैसे 'चोंचले' टीवी सीरियल्स की देन हैं। उन्होंने तीखा सवाल किया– क्या पहले बिना इन ढकोसलों के शादियां सफल नहीं होती थीं, आज ये दिखावा एक 'दीमक' की तरह समाज को चाट रहा है। गरीब और मजदूर वर्ग पर मंडराता खतरा मृदुभाषी नेत्री ने आगाह किया कि वेस्टर्न कल्चर की अंधी दौड़ में सबसे ज्यादा नुकसान समाज के पिछड़े और मजदूर वर्ग का हो रहा है। रसूखदारों की देखा-देखी गरीब परिवार भी कर्ज लेकर इन कुरीतियों को निभाने को मजबूर है, जिससे हंसते-खेलते परिवार आर्थिक बोझ तले दब रहे हैं।

डॉ. अंजना सिंह की समाज से अपीलः दिखावा छोड़ें, सादगी अपनाएंः शादियों को तमाशा नहीं, संस्कार रहने दें। फिजूलखर्ची पर लगामः जो पैसा दिखावे में उड़ रहा है, उसे बच्चों की शिक्षा और भविष्य में लगाएं। जागरूकता जरूरीः समाज के संपन्न लोग पहल करें ताकि गरीब पर मनोवैज्ञानिक दबाव न बने। शादी दो दिलों का मिलन है, कर्ज के तले दबने का बहाना नहीं। आइए, डॉ. अंजना सिंह जी के इस आह्वान का समर्थन करें और समाज को इन कुरीतियों से मुक्त कराएं।

मैजिक बस ने 'एआय फॉर मासेस' पहल शुरू की

मुंबई(उत्तरशक्ति)। 'एम्प्लॉयर्स समिट सीरीज' का आखिरी हिस्सा 13 फरवरी, 2026 को मुंबई में हुआ। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (अक) पर आधारित वर्कफोर्स डेवलपमेंट पर यह मल्टी-सिटी नेशनल डायलॉग यहीं हुआ। चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली में सफल सीरीज के बाद, मुंबई में हुए इवेंट के साथ भारत की फाइनेंशियल कैपिटल में सीरीज खत्म हुई। इससे ' एआय -रेडी' वर्कफोर्स बनाने में 'कॉपोरेट इंडिया' की भूमिका और मजबूत हुई। डेवलपमेंट सेक्टर की शुरूआती पहलों में से एक, 'मैजिक बस' ने युवाओं को भविष्य की स्किल्स से लैस करने और काम की दुनिया में उनकी एंट्री को आसान बनाने के लिए ' एआय फॉर मासेस' पहल शुरू की। इस पहल के तहत, 'अक कनेक्ट विद वर्क' एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है, साथ ही कॉलेज स्टूडेंट्स और पिछड़े समुदायों के ग्रेजुएट्स के लिए 7-10 दिन का कोर्स भी है। यह करिकुलम युवाओं में प्रैक्टिकल एआय अवेयरनेस और वर्कप्लेस स्किल्स बनाता है, और उन्हें एआय -ड्रिवन इकोनॉमी में उभरती भूमिकाओं के लिए तैयार करता है। पिछले साल, ' एआय कनेक्ट विद वर्क' प्रोग्राम के जरिए 35,000 युवाओं को ट्रेनिंग दी गई थी और इस साल, 1.5 लाख पार्टिसिपेंट्स तक पहुंचने का लक्ष्य है। मुंबई में हुए समिट में सीनियर ह्यूमन रिसोर्स लीडर्स, कॉपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीहेड्स और इंडस्ट्री के रिप्रेजेंटेटिव्स एक साथ आए। इसमें उन स्किल्स की पहचान की गई जिनकी कंपनियों को जरूरत है और उन्हें बड़े पैमाने पर सिखाने के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया गया।

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए सभी भारत माता के जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम बॉस बारी (टांडिया) में ग्रीन फोर्स बॉसबारी प्राइमरी स्कूल में के बच्चों युवाओं और नौजवानों द्वारा 14 फरवरी दिन शनीवार को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए सभी भारत माता के वीर जवानों के शौर्य और बलिदान को शत शत नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। आयोजक मण्डल में सचिन, धीरज, कृष, अनुभव, प्रभू, बल्लू, अंश, ध्रुव, अंशीका, सहित भारी संख्या में ग्राम के अन्य वरिष्ठगण उपस्थित रहे। लोगों ने किया कि हमारे देश के वीर जवानों को नमन। आइये अपने शहीदों को याद करें और उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि करें। जब तक सूरज चांद रहेगा, शहीदों का नाम रहेगा।

वसई स्टेशन रोड पर अतिक्रमण से नागरिक परेशान, तत्काल कार्रवाई की मांग

वसई। वसई-विरार महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग को वसई रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर शिकायत दी गई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि स्टेशन एरिया के फुटपाथ और मुख्य सड़क पर फेरीवालों एवं अस्थायी दुकानों द्वारा दोबारा कब्जा कर लिया गया है, जबकि इस संबंध में पहले भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। शिकायतकताओं के अनुसार, पैदल चलने का रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है, जिससे महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों तथा रेल और बस यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क संकरी होने के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब किसी जनप्रतिनिधि या वरिष्ठ अधिकारी का दौरा होता है तो क्षेत्र को अस्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त कर दिया जाता है, लेकिन अगले ही दिन फिर से फेरीवालों और दुकानों द्वारा कब्जा कर लिया जाता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित क्षेत्र का तत्काल निरीक्षण किया जाए और स्थायी रूप से अतिक्रमण हटाकर सड़क और फुटपाथ को आम जनता के लिए खुला रखा जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों ने इस मुद्दे पर जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस पर नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ने लिया संकल्प

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई ने एक विशेष जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य कैंसर से जूझ रहे बच्चों के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का उत्सव मनाना था, साथ ही शीघ्र निदान, समय पर उपचार और समग्र देखभाल के महत्व को रेखांकित करना था।

पावर चैंप्स कैंसरः फ्रॉम चैलेंज टू चेंज थीम पर आधारित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि शक्ति बीमारी से बड़ी होती है और युवा योद्धाओं की प्रेरणादायक यात्राओं को सामने लाया। एकजुटता और उत्सव की भावना से परिपूर्ण इस आयोजन ने अस्पताल की लॉबी में एक आत्मीय और समावेशी वातावरण तैयार किया, जहाँ कैंसर से जूझ रहे बच्चे, उनके परिवार, चिकित्सक, संरक्षक, दानदाता और सहयोगी संस्थाएँ आशा और एकता के साथ एकत्रित हुए। कार्यक्रम के बारे में बताते हुए डॉ. पूर्णा कुकुर्रे,

वरिष्ठ सलाहकार एवं विभाग प्रमुख झ पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, हीमैटो-ऑन्कोलॉजी और बीएमटी ने कहा, बाल कैंसर का शीघ्र निदान और उचित बहु-विषयक उपचार के साथ उच्च स्तर पर इलाज संभव है। इस तरह की पहलों के माध्यम से हमारा उद्देश्य न केवल जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि अपने उन मरीजों के साहस का उत्सव मनाना भी है, जो प्रतिदिन अपने दृढ़ निश्चय और ताकत से हमें प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में दानदाताओं का सम्मान, दीप प्रज्वलन समारोह तथा विविध थेरेप्यूटिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इनमें मुंबई आर्ट एंड हेल्थ फेस्टिवल द्वारा डांस थेरेपी, मैक्स फाउंडेशन द्वारा पुस्तक वाचन सत्र और बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए जादू शो शामिल रहे। कार्यक्रम के सबसे प्रभावशाली क्षणों में से एक वह था, जब पावर चैंप्स कैंसरः फ्रॉम चैलेंज टू चेंज थीम को माता-पिता और बाल कैंसर से उबर चुके बच्चों की भावनात्मक कहानियों के माध्यम से सजीव किया गया। उन्होंने अपने धैर्य, आशा और परिवर्तन की प्रेरक यात्राओं को साझा किया। इन सशक्त अनुभवों को आगे बढ़ाते हुए एक विशेष शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों, परिवारों और उपस्थित लोगों ने मिलकर साहस, शीघ्र पहचान संवेदनशील देखभाल और प्रत्येक बच्चे की स्वस्थ होने की यात्रा में निरंतर सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अस्पताल की सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) प्रतिबद्धता के अनुरूप, इस अवसर पर ग्रो ग्रीन पहल की भी शुरुआत की गई। यह पहल इस संदेश को सुदृढ़ करती है कि बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल और पृथ्वी की देखभाल साथ-साथ चलती है। इस पहल के तहत बच्चों को विशेष रूप से तैयार किया गया ग्रो ग्रीन प्लांट किट प्रदान किया गया, जिसमें एक मार्गदर्शिका और पौधारोपण के निर्देश शामिल थे। प्रत्येक किट पर एक क्यूआर कोड दिया गया, जिसे स्कैन कर प्रतिभागी इस पहल के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। बच्चों को पौधा लगाने, उसकी देखभाल करने और उसके विकसित होने पर उसकी तस्वीर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

स्नेहा दूबे पंडित ने ट्रेनी युवाओं को प्रदान किए सर्टिफिकेट

वसई (पालघर): आमदार पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, वसई वेस्ट में वसई विधानसभा क्षेत्र के युवाओं और बेरोजगार महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित बेसिक नर्सिंग कोर्स का समापन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सपोर्ट स्किल डेवलपमेंट, सफले (जिला पालघर) और Vasaicha Raja Ganeshotsav Mandal के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इस पहल के अंतर्गत कुल 30 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। गुरुवार, 12 फरवरी 2026 को आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह में वसई की विधायक स्नेहा दूबे पंडित के हाथों सभी प्रशिक्षुओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर विधायक ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल कर्मियों की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में वसईचा राजा ग्रुप के नीलेश भानुस, योगेश भानुस, सपोर्ट संस्था के प्रोग्राम डायरेक्टर विजय पवार, ट्रेनर श्रीमती सोनाली जोशी, कर्मचारी कल्पेश पाटिल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि वसई क्षेत्र के अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात कर स्थानीय लोगों और मछुआरों के हितों को प्राथमिकता देने की मांग

पालघर। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात कर वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट से जुड़े स्थानीय नागरिकों और मछुआरों की चिंताओं को विस्तार से रखा। उन्होंने एक पत्र के माध्यम से आठ प्रमुख सुझाव सौंपते हुए आग्रह किया कि विकास कार्यों के साथ-साथ स्थानीय आजीविका और समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डॉ. सावरा ने कहा कि स्थानीय मछली पकड़ने वाले समुदाय को आशंका है कि इस प्रोजेक्ट से उनके पारंपरिक व्यवसाय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इन चिंताओं के समाधान के लिए उन्होंने निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखीं। जिसमें स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता, वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट से जुड़े कंस्ट्रक्शन, सिक्योरिटी सर्विस, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन जैसे क्षेत्रों में स्थानीय नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही स्थानीय युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण देकर उन्हें नजदीकी पोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में सीधे रोजगार उपलब्ध कराया जाए। मछुआरों को वित्तीय सहायता, मछुआरों को नावों और नेविगेशन उपकरणों के आधुनिकीकरण के लिए कम ब्याज दर पर ऋण या सब्सिडी दी जाए। कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं और नावों पर सोलर उपकरण लगाने के लिए भी सहायता प्रदान कर उनकी आय को स्थिर करने के उपाय किए जाएं। समुद्री कटाव और पर्यावरण संरक्षण, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया जाए। साथ ही पोर्ट से 25 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए सुरक्षात्मक बांध (एंबैंकमेंट) बनाए जाएं। पारदर्शिता और वैज्ञानिक रिपोर्ट, 25 मीटर से अधिक गहराई में होने वाली गतिविधियों का मछली पालन पर न्यूनतम प्रभाव होने संबंधी वैज्ञानिक अध्ययन रिपोर्ट स्थानीय लोगों के साथ पारदर्शी तरीके से साझा की जाए। प्रस्तावित शिपिंग कॉरिडोर की जानकारी भी मछुआरों को स्पष्ट रूप से दी जाए ताकि उनके मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों पर असर न पड़े। शिक्षा और बुनियादी ढांचा विकास, भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी शिक्षा को मजबूत किया जाए तथा प्रयोगशालाओं को आधुनिक बनाया जाए। नई सड़कों के निर्माण तक मौजूदा सड़कों को सुदृढ़ किया जाए और हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। डॉ. सावरा ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि विकास कार्यों में स्थानीय समुदाय को केंद्र में रखा जाए, तो देश की प्रगति और क्षेत्र के नागरिकों की आजीविका दोनों सुरक्षित रह सकती हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इन सुझावों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया।

चॉकलेट-डे पर हम बिस्तर थे देवर-भाभी, पति का कत्ल कर लटकाया

आगरा। आगरा के थाना एकता क्षेत्र के लोधई गांव में प्रेम प्रसंग के चलते पति की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, 9 फरवरी (चॉकलेट डे) की रात लवकेश ने अपनी पत्नी गौरी को अपने चचेरे भाई सुंदर के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। विरोध करने पर दोनों ने तकिए से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी और फिर साड़ी के फंदे से शव को लटका दिया, ताकि मामला आत्महत्या लगे।

परिजनों ने इसे सुसाइड मानते हुए पोस्टमार्टम कराए बिना अंतिम संस्कार कर दिया। बाद में शक गहराने पर पत्नी ने हत्या का राज खोला। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हत्या में प्रयुक्त तकिया और साड़ी बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजी जा रही है। गांव लोधई निवासी लवकेश की 9 फरवरी की रात घर में ही हत्या कर दी गई थी। आरोप पत्नी गौरी और मृतक के चचेरे भाई सुंदर पर है। पुलिस के मुताबिक, गौरी के प्रेम संबंध सुंदर से चल रहे थे। दोनों को घटना वाले दिन लवकेश ने साथ देख लिया था। विरोध पर उसकी हत्या तकिये से मुंह दबाकर करने के बाद साड़ी के फंदे से लटका दिया गया था। परिजन ने आत्महत्या समझ कर अंतिम संस्कार करा दिया था। बाद में शक होने पर पत्नी ने खुलासा किया। बिजली मिस्त्री लवकेश और गौरी की शादी को छह साल ही हुए थे। सब कुछ ठीक चल रहा था। 5 महीने पहले चचेरे देवर सुंदर ने दंपती के जीवन में दखल दे दी। पति-पत्नी के बीच झगड़े होने लगे। लवकेश को शक था कि पत्नी के संबंध किसी और युवक से हैं। मगर यह नहीं पता था कि इसका विरोध करने पर उसकी जान चली जाएगी। डीसीपी सिटी ने बताया कि गौरी को अब अफसोस है कि प्रेमी के बहकावे में आकर जिसके साथ जीने मरने की कसम खाई उसकी जान क्यों ले ली। वह पुलिस को सब कुछ बताने के लिए तैयार है। इसलिए पुलिस उसके कोर्ट में भी बयान दर्ज कराएगी। एक तरफ पिता की हत्या हो गई, दूसरी तरफ मां को जेल भेज दिया गया। तीन साल का बेटा रोये जा रहा है। बार-बार पिता और मां को याद कर रहा है। उसे परिवार के लोग किसी तरह संभाल रहे हैं।

हर कोई एक ही बात बोल रहा था कि अब बेटे का सहारा कौन बनेगा। लवकेश बेटे का जन्मदिन 27 फरवरी को मनाने की तैयारी कर रहे थे। 20 जनवरी को लवकेश ने अपना जन्मदिन मनाया था। उसे नहीं पता था कि यह आखिरी जन्मदिन होगा। वेलेंटाइन वीक में चचेरे देवर से अवैध संबंध का विरोध करने पर पत्नी ने पति लवकेश (24) की हत्या कर दी। प्रेमी ने भी पूरा साथ दिया। हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए दोनों ने साड़ी के फंदे से शव को लटका दिया। शक होने पर परिजन ने शिकायत की तब पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामला एकता थाना क्षेत्र के लोधई गांव का है। गांव लोधई निवासी लवकेश बिजली मिस्त्री थे। पिता सुरेश चंद तोमर बेलनगंज में नौकरी करते हैं। वहीं रहते भी हैं। लवकेश पांच बहनों में इकलौता भाई था। उसकी शादी छह साल पहले सहपऊ, धौलपुर, राजस्थान की गौरी के साथ हुई थी। तीन साल का एक बेटा है। पिता ने बताया कि 10 फरवरी तड़के 4 बजे घर से फोन आया कि लवकेश ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिवार में कोहराम मच गया। वह घर पहुंचे। गौरी ने बताया कि वह दूसरे कमरे में सो रही थी। सुबह जब पति के कमरे में गई तो वो फंदे से लटके थे। किसी तरह का विवाद न होने से परिजन ने पुलिस को सूचना नहीं दी। अंतिम संस्कार कर दिया। अगले दिन घर में हवन-पूजन था। गौरी की गतिविधियां देखकर परिजन को शक हुआ। परिवार की महिलाओं ने उससे पूछताछ की। पुलिस बुलाने की कहने लगे। इस पर वो घबरा गई। हत्याकांड के बारे में बता दिया। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि गौरी ने पूछताछ में कई जानकारियां दी। बताया कि पांच महीने से चचेरे देवर सुंदर से प्रेम संबंध हैं। पति की तरह वो बिजली मिस्त्री है। दोनों छिपकर मिलते थे। मगर कुछ दिन से पति ने शक होने पर झगड़ा शुरू कर दिया था। 9 फरवरी की रात पति के सोने पर सुंदर मिलने आया था। दोनों को पति ने देख लिया। इसके बाद उन्होंने लवकेश को पकड़कर बेड पर लिटा दिया। उसके मुंह पर सुंदर ने तकिया लगा दिया। उसने खुद पति के हाथ और पैर पकड़ लिए। वह बचने का प्रयास करता रहा। मगर कुछ देर बाद मौत हो गई। उन्हें पता था कि ऐसे पति मृत मिलेगा तो ज्यादा पूछताछ होगी। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर पति को पंखे से लटका दिया। सुंदर घर चला गया। वह भी दूसरे कमरे में सोने गई। सुबह जागने पर रोते हुए शोर मचाया। किसी को शक नहीं हुआ। मगर महिलाएं समझ गई थीं। बार-बार कारण पूछ रही थीं। इससे वो टूट गई। पुलिस ने पत्नी के बयान रिकॉर्ड किए हैं। आरोपियों की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही हैं, जिससे विवेचना में लगाया जा सके। वहीं सुंदर काम पर गया था। उसे पुलिस टीम ने वहां से दबोचा।

लवकेश पांच बहनों में इकलौता भाई था। उसकी मौत से बहनें रो-रोकर बेहाल हो गई हैं। वह एक ही बात बोल रही हैं कि भाभी ने भाई की जान क्यों ले ली। अगर उसे किसी और के साथ रहना था तो उसके साथ चली जाती। बहनों को परिवार की महिलाओं ने किसी तरह संभाला।

शव को जला दिया गया है। पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तकिया और साड़ी बरामद की है। आरोपी पत्नी का मोबाइल भी कब्जे में लिया है। इसमें आखिरी बार कॉल प्रेमी को की गई थी। लवकेश का मुंह तकिया से दबाया गया तो मुंह की लार-थूक बाहर आया होगा। वह तकिये पर लगा होगा। फॉरेंसिक लैब में सैंपल का मिलान मृतक के माता-पिता के डीएनए से कराया जाएगा।

एकम्स का Q3 FY26 में दमदार प्रदर्शन, राजस्व 14.8% और Adj EBITDA 21%

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गेनाइजेशंस एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में वित्त वर्ष 2026 के तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। 3 FY 26 में एकम्स के मुख्य बिजनेस सेगमेंट में मजबूत वृद्धि देखने को मिली। CDMO ने वॉल्यूम में दोहरी संख्या में बढ़ोतरी की वजह से 16% से ज्यादा की राजस्व वृद्धि (रेवेन्यू ग्रोथ) दर्ज की। इंटरनेशनल ब्रांडेड फॉमुर्लेशन सेगमेंट में तिमाही दर तिमाही दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। यह बढ़त इसके प्रमुख बाजारों में डिमांड रिकवरी की वजह से हुई। एडजस्टेड EBITDA सालाना आधार पर 21% बढ़कर 147 करोड़ रुपये हो गया। इसका कारण क्षमता का बेहतर उपयोग और नई सुविधाओं का धीरे-धीरे बढ़ना रहा, जिससे लाभ ज्यादा बेहतर हुआ। ओवरहेड खर्च पर सख्त नियंत्रण और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को संतुलित करने से API और ट्रेड जेनेरिक्स सेगमेंट में होने वाले नुकसान को कम करने में भी मदद मिली। एकम्स का ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी बनने का सफर लगातार जारी रहा। कंपनी को अपनी दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के लिए यूरोपियन यूनियन का एव GMP सर्टिफिकेशन मिला है। इसमें ओरल सॉलिड्स प्लांट के एव GMP अप्रूवल का रिन्यूअल और ओरल लिक्विड्स प्लांट को नया एव GMP सर्टिफिकेशन मिलना शामिल है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने छात्रा की दर्दनाक मौत

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत नटौली गांव में सड़क दुघर्टना में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं चालक मौके से ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। क्षेत्र के नटौली गांव निवासी 10 वर्षीय आकांक्षा पुत्री समेश राजभर गांव के प्राथमिक विद्यालय की कक्षा चार की छात्रा थी। शनिवार को ननिहाल जाने हेतु स्कूल नहीं गई थी। घर के समीप सड़क के किनारे खड़ी हुई थी। कि सामने से ईट लदी तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर छात्रा को कुचल दिया। जिसके चलते मौके पर ही मौत हो गई ।जब ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे तब तक चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दीवानी न्यायालय परिसर से अधिवक्ता का मोबाइल चोरी, जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय परिसर से अधिवक्ता का मोबाइल चोरी होने के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के मनिहा गोविन्दपुर निवासी अतुल कुमार गौतम, जो दीवानी न्यायालय में अधिवक्ता हैं, का मोबाइल बीते 11 फरवरी को कोर्ट परिसर से चोरी हो गया था। पीड़ित अधिवक्ता के अनुसार, 11 फरवरी को दोपहर करीब 3 बजे वह दीवानी न्यायालय परिसर में मौजूद थे, तभी किसी अज्ञात चोर ने उनका मोबाइल पार कर दिया। चोरी हुआ मोबाइल 'मोटोरोला एज 50 फ्यूजन' बताया जा रहा है। अधिवक्ता ने मामले की लिखित सूचना लाइनबाजार थाने में दी थी, लेकिन उचित कार्रवाई न होने पर उन्होंने अब ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई है।

14 से 23 फरवरी 2026 तक एमएमआरडीए ग्राउंड्स, बीकेसी, मुंबई में किया है

मुंबई। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) महाभारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो का सह-प्रायोजक है, जिसका आयोजन आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, उद्योग मंत्रालय और एमआईडीसी द्वारा संयुक्त रूप से 14 से 23 फरवरी 2026 तक एमएमआरडीए ग्राउंड्स, बीकेसी, मुंबई में किया जा रहा है। नाबार्ड देशभर से 30 स्टॉलों (स्टॉल संख्या 66-96) को सहयोग दे रहा है, जिनमें विभिन्न प्रकार के पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इन स्टॉलों में हथकरघा, हस्तशिल्प और भौगोलिक संकेत (जीआई) वाले उत्पाद शामिल हैं, जिनमें गाजीपुर वॉल हैंगिंग, कंथा स्टिच उत्पाद, कश्मीरी पश्मीना उत्पाद, कोढ़पुरी बंधेज शिल्प, उदयपुर शिल्प, कोफ्तगरी धातु शिल्प, कोल्हापुरी चप्पलें, गोरखपुर टेराकोटा, नारायणपेट हथकरघा साड़ियां, पोचमपल्ली इकत उत्पाद, बनारसी साड़ियां, वारली पेंटिंग, मिजार्पुर हस्तनिर्मित दरी और कालीन आदि शामिल हैं। National Bank for Agriculture and Rural Development(नाबार्ड) भारत की एक शीर्ष विकास वित्तीय संस्था है। इसकी स्थापना 12 जुलाई 1982 को हुई थी तथा इसका मुख्यालय Mumbai में स्थित है। नाबार्ड का उद्देश्य प्रभावी ऋण सहायता, संबंधित सेवाओं, संस्थागत विकास और अन्य नवाचारपूर्ण पहलों के माध्यम से सतत और समावेशी कृषि तथा ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना है। नाबार्ड ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करने, किसानों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रीमद् भागवत कथा में उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया गया

अंबेडकरनगर। जनपद अंबेडकर नगर स्थित भीटी में भाजपा नेता अवधेश द्विवेदी के यहां आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शनिवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने कथा श्रवण कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। कथा के दौरान लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू' ने उप मुख्यमंत्री मौर्य का साल ओढ़ाकर एवं संकल्प पत्रिका भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर कथा आयोजक अवधेश द्विवेदी, एस पी मिश्रा,संदीप दुबे सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं श्रद्धालु श्रोता भक्तगण उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान 13 ग्राफिक्स में भारत-पाकिस्तान मैच के आंकड़े

कोलंबो। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का ग्रुप स्टेज का मुकाबला रविवार को खेला जाना है। भारतीय टीम इस मैच के लिए कोलंबो पहुंच चुकी है। दोनों देशों के बीच होने वाले इस रोमांचक मुकाबले का इंतजार करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को है।

भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 16 मैच खेले गए हैं। इसमें 13 मैचों में भारतीय टीम ने और तीन मैचों में पाकिस्तान ने जीत हासिल की है। दोनों देशों के बीच खेले गए टी20 मुकाबलों में रन बनाने के मामले में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। वहीं विकेट लेने के मामले में हार्दिक पांड्या नंबर-1 हैं।

टी20 को अलविदा कह चुके विराट भारत-पाकिस्तान के बीच हुए टी20 मुकाबलों में शीर्ष स्कोरर हैं। 2012 से 2024 के बीच खेले 11 मैचों की 11 पारियों में विराट ने 70.28 की औसत से पांच अर्धशतक लगाते हुए 492 रन बनाए हैं। मोहम्मद रिजवान दूसरे स्थान पर हैं। रिजवान ने 2021 से 2024 के बीच पांच मैचों की पांच पारियों में दो अर्धशतक लगाते हुए 228 रन बनाए हैं। रिजवान जारी टी20 विश्व कप का हिस्सा नहीं हैं ।पाकिस्तान के शोएब मलिक तीसरे स्थान पर हैं। 2007 से 2021 के बीच नौ मैचों की आठ पारियों में एत अर्धशतक लगाते हुए मलिक ने 164 रन बनाए हैं।

संन्यास ले चुके पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज चौथे स्थान पर हैं। हफीज ने 2007 से 2021 के बीच आठ मैचों की सात पारियों में दो अर्धशतक लगाते हुए 156 रन बनाए हैं। पांचवें स्थान पर पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान हैं। जारी विश्व कप में शानदार फॉर्म में नजर आ रहे फरहान ने भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के दौरान खेले तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाते हुए 155 रन बनाए थे।

गेंदबाजों में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या शीर्ष पर हैं। 2016 से 2025 के बीच नौ मैचों में हार्दिक ने 15 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं। भुवी ने 2012 से 2022 के बीच सात मैचों में 11 विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल तीसरे स्थान पर हैं। गुल ने 2007 से 2014 के बीच छह मैचों में 11 विकेट लिए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह 2016 से 2025 के बीच सात मैचों में नौ विकेट ले चुके हैं और चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के हारिस रऊफ भी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। रऊफ ने 2021 से 2025 के बीच 7 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। भारत के कुलदीप यादव तीन मैचों में आठ विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

भारत ने अपने ग्रुप स्टेज के शुरूआती दोनों मैच यूएसए और नामीबिया के खिलाफ बड़े अंतर से जीते हैं। वहीं, पाकिस्तान ने भी यूएसए और नीदरलैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट और फैंस का दावा है कि अपने स्पिनरों शादाब खान, उस्मान तारिक और अबरार अहमद के दम पर वे रविवार को भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करेंगे। पाकिस्तान को अपने दावे के पहले इस हकीकत को नहीं भूलना चाहिए कि उनकी टीम के पास हमेशा से स्पिनर रहे हैं। इसके बावजूद टी20 में उसका प्रदर्शन भारत के सामने बेहद साधारण रहा है। दोनों टीमों के बीच साल 2016 से 10 टी20 खेले गए हैं और इसमें भारत ने आठ और पाकिस्तान ने दो मैच जीते हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास की बात करें तो दोनों देशों के बीच अब तक आठ मैच खेले गए हैं। भारतीय टीम ने छह मैचों में जीत हासिल की है, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ एक मैच में जीत मिली है। एक मैच का परिणाम नहीं आया है। भारत ने पाकिस्तान को हराकर ही टी20 विश्व कप 2007 का खिताब जीता था। पाकिस्तान को एकमात्र जीत टी20 विश्व कप 2021 में मिली थी। हाल ही में एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को तीन बार हराया। इन आंकड़ों को देखने के बाद भारत के सामने पाकिस्तान कहीं भी स्टैंड नहीं करता। इसके बावजूद भारत-पाकिस्तान मैच को महामुकाबला कहना सिर्फ हाइप बनाने का जरिया हो सकता है। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। खासकर, टी20 में कोई भी टीम किसी को हरा सकती है, लेकिन आंकड़े भारत के पक्ष में हैं और टी20 विश्व कप में 7-1 का रिकॉर्ड अगले मैच के बाद 8-1 का हो जाए तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए।

पहले दामाद अब जीजा संग भागी सास, पिता ने की दूसरी शादी, शादी के इंतजार में बेटी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सास-दामाद वाली लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 10 महीने पहले शुरू हुई इस अनोखी प्रेम कहानी में, दामाद राहुल को अपनी होने वाली सास अनीता देवी से दिल लग गया। बात इतनी आगे बढ़ी कि दोनों ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद राहुल, अनीता देवी को उनके घर से लेकर चला गया।

इस मामले में अनीता देवी के पूर्व पति जितेंद्र ने थाना मडराक में दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरकत में आई और कुछ ही समय में दोनों को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि पूछताछ के दौरान अनीता देवी और राहुल ने साफ कहा कि वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं। उनका कहना था कि किसी ने उन्हें मजबूर नहीं किया, बल्कि यह उनका आपसी फैसला है।

अब करीब 10 महीने बाद इस मामले एक नया मोड़ ले लिया है। दोनों की मोहब्बत के बीच में दरार आ चुकी है। दोनों एक दूसरे से अलग भी हो चुके हैं। अब इस कहानी में एक नए किरदार की एंट्री हो चुकी है। इस बार यह महिला का जीजा है। राहुल का आरोप है कि महिला अपने जीजा देवेंद्र के साथ फरार हो गई है। इतना ही नहीं जिस घर में दोनों रहते थे वहां से वह दो लाख रुपये नकद और जेवर साथ ले गई। राहुल ने पुलिस में गुहार लगाई है।

वहीं सास ने भी पूर्व प्रेमी राहुल पर आरोप लगाए हैं। जो बेहद गंभीर भी हैं। अनीत का आरोप है कि राहुल उसे बंधक बनाकर पीटता था। जो गहने और रुपये वह साथ ले गई थी उसने सब हड़प लिया। महिला ने कहा कि जब मैं उसके साथ गई थी करीब एक माह तक तो उसने सही रखा, उसके बाद वो पता नहीं क्या-क्या खिलाने लगा। मुझे कुछ पता नहीं रहता था। मुझे ताले में बंद रखता है। मैं जो अपने साथ लेकर गई थी, वो सबकुछ हड़प लिया उसने। टॉयलेट भी अंदर ही करती थी। मेरे साथ बहुत मारपीट करता था। आधा किलो चांदी उसकी मां के पास है। अब वह राहुल के साथ अब कभी नहीं रहूंगी।

अनीत ने आरोप लगाया कि राहुल महिलाओं को बेचता था। महिलाओं का धंधा करता है। मुझे अपने किये पर बहुत पछतावा है। एक पड़ोसी महिला की मदद से वह बचकर निकली और अलीगढ़ आई थी। मेरे जीजा पर गलत आरोप लगा रहा है। वो गरीब आदमी हैं। उसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर दी। उसे सजा होनी चाहिए। उसे जेल होनी चाहिए। थाना दादों के गांव मछरिया नगला निवासी राहुल कुमार की शादी अप्रैल 2025 में थाना मडराक के गांव मनोहरपुर में तय हुई थी। सगाई के बाद उसकी होने वाली सास सपना देवी के साथ मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा और धीरे-धीरे दामाद-सास की नजदीकियां प्यार में बदल गईं। राहुल और पुलिस के अनुसार विवाह से करीब 12 दिन पहले सपना देवी पति, परिवार को छोड़कर वह उसके पास चली आई थीं। पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बिहार सहित कई राज्यों में दबिश दी। इसके बाद दोनों स्वयं दादों थाने पहुंचे। वहां से दोनों को मडराक थाने बुलाया गया, जहां सास और दामाद ने एक-दूसरे के साथ रहने की बात स्वीकार करते हुए जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाईं। दोनों की सहमति और लिखित बयान के बाद छोड़ दिया गया और दोनों साथ रहने चले गए। इन सब घटनाओं के बीच अनीत के पूर्व पति जितेंद्र ने दूसरी शादी कर ली है। वहीं प्राप्त जानकारी के मुताबिक उनकी बड़ी बेटी जिससे राहुल की शादी होनी थी, उसका विवाह अभी भी नहीं हुआ है। जितेंद्र का आरोप है कि उसकी पत्नी उस समय करीब पांच लाख रुपये के गहने और तीन लाख रुपये नकद लेकर गई थी। वह आज तक उस वापस नहीं मिले है।